हिन्दी दैनिक

राष्ट्र संवाद

आपका राष्ट्र, आपका संवाद

जमशेदपुर से प्रकाशित

मूल्य : दो रुपए

जमशेदपुर,
सोमवार 17 फरवरी 2025

नगर संस्करण
वर्षः 01,अंक:276

RNI No. : JHAHIN - 01092

rashtrasamvad.com

सुविचार

मेहनत करनी है तो कमर सीधी करनी ज़रूरी है जूक कर ज़्यादा देर काम नहीं किया जा सकता ।

झारखंड मुक्ति मोर्चा ने जामताड़ा प्रखंड के दुलाडीह और चालना पंचायतों में किया कमेटी का पुनर्गठन, सदस्यता अभियान को मिला नया संबल

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जामताड़ा : झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने अपने सदस्यता अभियान के तहत जामताड़ा प्रखंड के दुलाडीह और चालना पंचायतों में पंचायत कमेटी का विधिवत पुनर्गठन किया। इस आयोजन में झामुमो के संयोजक मंडलीय सदस्य रविंद्र नाथ दुबे, असित मंडल और आनंद टुडू की उपस्थिति में पंचायत कमेटी का गठन किया गया। इस बैठक में पार्टी कार्यकताओं ने सर्वसम्मति से पंचायत के पदाधिकारियों का चयन किया। पंचायत अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित विभिन्न सदस्य पदों के लिए चुनिंदा व्यक्तियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। यह पुनर्गठन पंचायत स्तर पर झामुमो पार्टी को और मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित पार्टी के

वरिष्ठ नेताओं ने इस पुनर्गठन को झामुमो पार्टी के जनाधार को बढ़ाने और उसे सशक्त करने की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। इस अवसर पर रविंद्र नाथ दुबे और असित मंडल ने कहा कि पार्टी का उद्देश्य पंचायत स्तर पर जनहित के कार्यों को बढ़ावा देना और समाज में न्याय, समानता और समृद्धि लाना है। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा किए गए इस पुनर्गठन से आगामी चुनावों में पार्टी की ताकत में इजाफा होगा और पंचायतों में झामुमो का प्रभाव और मजबूत होगा। इस बैठक में आनंद टुडू ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए पंचायत स्तर पर कार्यकताओं के बीच संगठनात्मक ढांचे को मजबूती प्रदान करने पर जोर दिया और कार्यकताओं से पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान, पंचायत कमेटी के पुनर्गठन के साथ ही झामुमो सदस्यता अभियान को और भी गति दी गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और पार्टी के साथ अपने निष्ठा और समर्थन का वचन दिया। यह आयोजन इस बात का संकेत है कि झामुमो पार्टी अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध है और आगामी दिनों में पंचायत स्तर पर और भी योजनाओं की शुरूआत की जाएगी। साथ ही, पार्टी की विचारधारा और कार्यों को आम जनता तक पहुँचाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।

फतेहपुर के बानरनाचा में झामुमो कमीटि का विस्तार

राष्ट्र संवाद सं, फतेहपुर/जामताड़ा: फतेहपुर प्रखंड के पंचायत बानरनाचा में झामुमो पंचायत कमेटी का गठन रविवार को किया गया. मौके पर पर्यवेक्षक के रूप में परेश यादव, वकील सोरेन, अशोक महतो, हिदायत मियां, आनंद देव यादव,गया प्रसाद मंडल, थे. सर्वसम्मति से बानरनाचा पंचायत अध्यक्ष नरेश मुर्मू व सचिव कार्तिक माहता को चुना गया. वहीं कोषाध्यक्ष प्रमोद महतो, मीडिया प्रभारी बाबलू मिर्धा, उपाध्यक्ष चंदन कु चौधरी, सोमलाल मुर्मू, विशाल सोरेन, सह सचिव नंदलाल मिर्धा, दिवाकर झा, माथुर राय, संगठन मंत्री गिरिधरी यादव, मनवोध मंडल, वरुण झा, कार्यकारणी सदस्य उज्जल यादव, आतुशोष सोरेन,लखन मंडल , संजय मंडल,ब्रजमोहन झा, तरुण झा, खीष्ट हांसदा, साहेब मुर्मू,शिवनारायण सोरेन, सुशील सोरेन आदि शामिल रहे।

कुंडहित प्रखंड अंतर्गत भेलुवा पंचायत में झामुमो का पुनर्गठन

जामताडा: नाला विधानसभा के कुंडहित प्रखंड अंतर्गत भेलुवा पंचायत में झामुमो का पुनर्गठन किया गया ।जिसमें सचिव पद के लिए निमाई माजी को बनाया गया एवं अध्यक्ष पद का अभी रिक्त रहा क्योंकि इस पद में तीन लोगों ने दावेदार किया है। मौके पर पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद कुतुबुद्दीन खान व अतावर खान ने कहा जल्द ही तीनों दावेदार के बीच समझौता कर एक निष्कर्ष निकाला जाएगा।

मौके पर साकेश सिंह, उज्जवल मंडल रघु गोस्वामी किशन मुर्मू श्याम लाल मुर्मू बलदेव मरांडी विजय राउत दिनेश मुर्मू सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

सीआईआई और टाटा स्टील ने ग्रामीण भारत में खेलों के विकास को बढ़ावा देने पर गोलमेज चर्चा आयोजित की

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर: भारतीय उद्योग परिसंघ और टाटा स्टील ने 15 फरवरी को सेंटर फॉर एक्सीलेंस , जमशेदपुर में विजन 2036ः ग्रासरूट्स टू ग्रेटनेस ग्रामीण भारत में खेलों के विकास को बढ़ावा देना₹ विषय पर एक महत्वपूर्ण गोलमेज चर्चा का आयोजन किया। इग्नाइटिंग ए थाउजेंड फायर्स थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में खेल, उद्योग और नीति-निर्माण से जुड़े प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया। चर्चा का मुख्य उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं को संवारने, बुनियादी अवसंरचना को मजबूत करने और ग्रामीण भारत को देश की खेल शक्ति में बदलने की रणनीतियों पर मंथन करना था।

दिनभर चले इस कार्यक्रम में प्रमुख खेल संस्थानों और सेवा प्रदाताओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में सफल खेल कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दीं। इसके बाद एक विशेष पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें प्रसिद्ध खेल हस्तियों ने भाग लिया। इस चर्चा का संचालन टाटा स्टील के स्पोर्ट्स एकेडमी हेड, हेमंत गुप्ता ने किया।चर्चा का मुख्य फोकस खेलों में ड्रॉपआउट रोकने, जीवनभर खेलों से जुड़े रहने की प्रवृत्ति बढ़ाने और ग्रामीण खेलों के सतत विकास के लिए नीतिगत सुझाव साझा करने पर था। खासतौर पर, 2036 ओलंपिक खेलों के लिए प्रतिभा निखारने की रणनीतियों पर भी जोर दिया गया।

वक्ताओं में टाटा स्टील के वाइस-प्रेसिडेंट, कॉरपोरेट सर्विसेज और सीआईआई नेशनल कमेटी ऑन स्पोर्ट्स 2024-25 के चेयरमैन चाणक्य चौधरी, भारतीय खेल प्राधिकरण के टी.ओ.पी.एस के सीईओ एन. एस. जोहल, सीआईआई के प्रिंसिपल एडवाइजर सुनील मिश्रा, एचसीएल फाउंडेशन के सीनियर मैनेजर मनु खन्ना और प्रतिष्ठित खेल हस्तियों का पैनल शामिल था, जिसमें पूर्णिमा महतो, अस्मिता दोरजी, सोमा बरुआ और अंकिता भकत ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले संगठनों में ब्रिजेस ऑफ स्पोर्ट्स, अनंतपुर स्पोर्ट्स अकादमी, ड्रिबल अकादमी, टाटा स्टील, इंडियन यूथ सॉकर एसोसिएशन, योगेश्वर दत्त फाउंडेशन, ग्रेट गोल्स ट्रस्ट, पीरामल फाउंडेशन, रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन, राउंडग्लास फाउंडेशन, एडुस्पोर्ट्स, रूट्स फाउंडेशन, प्रो स्पोर्ट्स डेवलपमेंट और सीक्विन शामिल थे। कार्यक्रम की शुरूआत जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के दौरे से हुई, जिसके बाद प्रतिभागियों के लिए रजिस्ट्रेशन और नेटवर्किंग सत्र आयोजित किया गया।

प्रतिनिधि 14 फरवरी को दिल्ली, हैदराबाद, बेंगलुरु, चेन्नई और चंडीगढ़ से जमशेदपुर पहुंचे।

चेंगायडीह गांव में मस्जिद की छत ढलाई के लिए उमड़ा जनसैलाब, अवाम ने किया बेहतरीन चंदा

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जामताड़ा प्रखंड के चेंगायडीह गांव में लालटोला नई जामे मस्जिद की छत ढलाई के मौके पर हजारों लोगों का हुजूम देखने को मिला। इस मौके पर इलाके के लोगों ने बेपनाह जज्बा और इखलास का मुजाहिरा किया। इस मौके पर मस्जिद के इमाम साहब और दूसरे अलिम-ए-दीन ने तकरीर पेश की और बताया कि जब अवाम किसी नेक मकसद के लिए एकजुट होती है, तो वो काम जल्द मुकम्मल हो जाता है और इसका बेहतरीन असरात पूरे समाज पर पड़ता है। इस मौके पर इलाके की मोअतबर शख्सियतों ने भी शिरकत की, जिनमें मौलाना मोहिनुद्दीन, मौलाना अलाउद्दीन, मौलाना तोहिद आलम, मौलाना अहसन जमील, मौलाना मंजूर आलम, मौलाना एजाज फैजी, मौलाना अफजल हुसैन, मौलाना सुल्तान साहब, मौलाना अनिसुर रहमान, मौलाना मुरैना, ड्राइवर इमामुद्दीन अंसारी, मौलाना आफताब अहमद, मौलाना अहमद हुसैन मदनी, मौलाना एनुअल हक असरी, मौलाना सलाउद्दीन तैमी, हाफिज अलीमुद्दीन, मौलाना अताउल्लाह अंसारी, समिति के सदस्य तैयब अंसारी, जैनुल आबेदीन, सजाउद्दीन उर्फ मुन्ना अंसारी, अजीज अंसारी, मुख्तार अंसारी, इकराम अंसारी, मंसूर अंसारी, ट्रेलर इम्तियाज अंसारी, इब्राहिम अंसारी, शफाउद्दीन अंसारी, डॉ सलाउद्दीन अंसारी, याकूब अंसारी, सफरुद्दीन अंसारी, निजामुद्दीन अंसारी, वार्ड फुरकान अंसारी, सद्दाम अंसारी, यासीन अंसारी उर्फ छूटन टेलर आदि शामिल हुए।

शिकारीपाड़ा मुख्य बाजार में दो हाईवा के बीच हुई आमने-सामने जोरदार टक्कर। चपेट में आई एक कार

राष्ट्र संवाद सं, शिकारीपाड़ा/ दुमका रामपुरहाट मुख्य पथ के शिकारीपाड़ा मुख्य बाजार में दो हाईवा के बीच आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई, गनीमत रही कि ड्राइवर एवं खलासी को कुछ नहीं हुआ है, और कोई राहगीर इस चपेट में नहीं आया। यहां बताते चलें की रामपुरहाट की तरफ से चिप्स लाद आ रही हाईवा एवं विपरीत दिशा दुमका के तरफ से आ रही खाली हाईवा के बीच जोरदार भिड़ंत हो गई जिससे दोनों हाईवा अनियंत्रित होकर बगल में खड़े एक कार को भी जाकर टक्कर मार दिया ।जिससे तीनों गाड़ी क्षति ग्रस्त हो गई है इस भिड़ंत के बाद शिकारीपाड़ा मुख्य बाजार के दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी-लंबी कतारे लग गई।

अवैध वाहनों के परिचालन पर प्रशासन ने की बड़ी कार्रवाई

राष्ट्र संवाद सं

शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में मालवाहक वाहनों का परिचालन नियमों को तक पर रख कर किया जा रहा है। रविवार की अहले सुबह दुमका के डीटीओ जयप्रकाश करमाली शिकारीपाड़ा पहुंचकर उन्होंने माल वाहक वाहनों की जब जांच पड़ताल शुरू की तो खनन क्षेत्र में हड़कंप मच गया। इस अभियान में उनके साथ शिकारीपाड़ा के सीओ कपिल देव ठाकुर एमवीआई अभय कुमार और स्थानीय थाना की पुलिस मौजूद थी। इस कार्रवाई में ईट लदे दो ट्रक, तीन बोल्डर लदे हाईवा और एक धान लोड ट्रक को जप्त किया गया है। उक्त गाड़ियों में वैध कागजात नहीं थे और बेधड़क उनका परिचालन हो रहा था इन सभी वाहनों को शिकारीपाड़ा थाना में

लाकर रखा गया है। इस पूरे मामले में डीटीओ जयप्रकाश करमाली ने कहा कि हम लोग लगातार इस तरह का अभियान चलाते रहते हैं। जिसमें उचित कागजात, ओवरलोडिंग, आदि की जांच की जाती है जो बौल्डर लदे हाईवा है उसे माइनिंग चालान की भी जांच के लिए संबंधित विभाग भेजा जाएगा इसके बाद जांचों उपरांत उस पर कार्यवाही करेगी।

संक्षिप्त खबरें

SNMMCH में डॉक्टर-नर्सों को नए आपराधिक कानूनों की दी गई जानकारी, इठर के तहत कानूनी जागरूकता कार्यशाला आयोजित

राष्ट्र संवाद संवाददाता , ओम प्रकाश शर्मा

धनबादः शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (रठटटउल) में एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल कर्मियों को भारतीय न्याय संहिता (इठर) के तहत लागू नए आपराधिक कानूनों की विस्तृत जानकारी दी गई।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार आयोजित इस कार्यशाला में पुलिस उपाधीक्षक (उउफ) सुमित कुमार ने उपस्थित चिकित्सा कर्मियों को नए कानूनी प्रावधानों की बारीकियों को समझाया। उन्होंने बताया कि चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों की भूमिका और जिम्मेदारियां अब और भी स्पष्ट हो गई हैं, जिससे वे कानूनी चुनौतियों का सामना अधिक सशक्त रूप से कर सकेंगे। डीएसपी सुमित कुमार ने कार्यशाला के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस पहल से अस्पताल के सभी कर्मी अपने अधिकारों और दायित्वों को बेहतर ढंग से समझ पाएंगे, जिससे वे अपने कार्य को निष्ठापूर्वक और कानूनी दायरे में रहकर कर सकें। उन्होंने चिकित्सा जगत में कानून की जागरूकता को अनिवार्य बताते हुए कहा कि नए प्रावधानों की जानकारी से डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को अनावश्यक कानूनी परेशानियों से बचने में मदद मिलेगी।

जसीडीह की शानदार जीत, सहजपुर को 2 गोल से हराया

राष्ट्र संवाद संवाददाता, जामताड़ा

जामताड़ा जिला के कमाटांड़ प्रखंड के सहजपुर अंतर्गत जसीडीह मैदान में फाइनल मुकाबला खेला गया। इस रोमांचक मुकाबले में जसीडीह की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सहजपुर को 2 गोल से हराकर खिताब अपने नाम किया। मैच के दौरान दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, लेकिन जसीडीह की टीम की रणनीति और तालमेल के आगे सहजपुर टिक नहीं पाया। जीत के बाद जसीडीह टीम के खिलाड़ियों और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। समापन समारोह में विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि महेंद्र मंडल ने विजेता और उपविजेता टीम के खिलाड़ियों को सम्मानित किया और उनके उज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे टूनामेंट से ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलता है। आयोजन समिति ने भी सभी खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया और खेल भावना बनाए रखने की अपील की।

शैलेन बने सिमलाडंगाल पंचायत के पंचायत अध्यक्ष तो घनश्याम सचिव

सिमलाडंगाल झामुमो पंचायत का हुआ विधिवत पुनर्गठन

राष्ट्र संवाद सं, फतेहपुर

फतेहपुर प्रखंड के सिमलाडंगाल पंचायत में झारखंड मुक्ति मोर्चा पंचायत कमेटी का पुनर्गठन को लेकर रविवार को पोखरिया स्कूल मैदान में झामुमो कार्यकताओं की अहम बैठक हुई। बैठक में सर्वसम्मति से शैलेन हेंब्रम को सिमलाडंगाल पंचायत का अध्यक्ष बनाया गया। वहीं घनश्याम मंडल पंचायत सचिव तथा कोषाध्यक्ष पद पर अशोक सेन और मीडिया प्रभारी के रूप में चंडी चरण भंडारी को दायित्व सौंपा गया। पंचायत उपाध्यक्ष सुखसेन हेंब्रम, चंदन मंडल और विभीषण मरांडी बने। वही सुभेन मंडल, बालू सोरेन और कृपा सिंधु रूज को सह सचिव का प्रभार सौंपा गया। झामुमो कार्यकर्ता पीतांबर सिंह ,दशरथ कोल और निरोध महतो को संगठन की मजबूती के लिए संगठन मंत्री का बड़ा दायित्व दिया गया ।पंचायत पुनर्गठन कार्यक्रम में बतौर पर्यवेक्षक झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अशोक महतो और 20 सूत्री उपाध्यक्ष वकील सोरेन के अलावे गया प्रसाद मंडल,सईम अंसारी,हिदायत मियां मौजूद थे। इस दौरान नव चयनित सदस्यों को बधाई दी गई।

धनबाद में साइबर सुरक्षा कार्यशालाः छात्रों को सिखाए डिजिटल ठगी से बचाव के उपाय

राष्ट्र संवाद संवाददाता , ओम प्रकाश शर्मा,

धनबादः साइबर अपराधों से बचाव और डिजिटल सुरक्षा को लेकर धनबाद पुलिस द्वारा धनबाद इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यशाला में छात्रों को साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे, ऑनलाइन ठगी के नए तरीकों और साइबर सुरक्षा के प्रभावी उपायों के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में साइबर डीएसपी संजीव कुमार के नेतृत्व में पीपीटी प्रेजेंटेशन के माध्यम से सरल भाषा में छात्रों को साइबर सुरक्षा के अहम बिंदु समझाए गए। उन्होंने बताया कि अपनी गोपनीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें, अज्ञात लिंक पर क्लिक करने से बचें, सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्तियों के मित्रता अनुरोध अस्वीकार करें, और ओटीपी किसी के साथ न साझा करें। इसके अलावा, हनी ट्रैप, साइबर बुलिंग और साइबर हेल्पलाइन 1930 के उपयोग की जानकारी भी दी गई।

इस दौरान साइबर थाना प्रभारी अक्षय राम, कम्प्यूटर ऑपरेटर अजय नारायण पंडित समेत सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम में साइबर अपराधों से बचने के लिए प्रभावी सुरक्षा उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिससे छात्र डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रह सकें।

जामताड़ाः अर्जुन मंडल ने शुरू किया 'देवकी छात्रावास', शहर में पढ़ाई करने के लिए छात्रों को मिलेगा सुरक्षित आवास

राष्ट्र संवाद संवाददाताः सिराज अंसारी

जामताड़ा : शिक्षा के क्षेत्र में जामताड़ा एक महत्वपूर्ण कदम और विकास की ओर बढ़ रहा है। अब, शहर में रहकर अपनी पढ़ाई पूरी करने वाले छात्रों के लिए एक नया आशियाना तैयार हुआ है। अर्जुन मंडल द्वारा 'देवकी छात्रावास' की शुरूआत की गई है, जो विशेष रूप से उन छात्रों के लिए एक सुरक्षित और व्यवस्थित आवास उपलब्ध कराएगा, जो शहर में रहकर अपनी शिक्षा पूरी करना चाहते हैं।

यह छात्रावास जामताड़ा के नामुपाडा क्षेत्र में स्थित है, और इसका उद्घाटन आज संथाल परगना पर मंडलीय दुमका के शिक्षा उपनिदेशक डॉ. गोपाल कृष्ण झा ने किया। डॉ. झा ने विधिवत रूप से फीता काटकर इस छात्रावास का उद्घाटन किया। इस उद्घाटन समारोह में नवोदय विद्यालय की प्राचार्य प्रीति श्रीवास्तव, राजा नित्य गोपाल सिंह, दुबराज मंडल, तापस मंडल और नगर के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।कार्यक्रम के दौरान

डॉ. गोपाल कृष्ण झा ने कहा कि जामताड़ा नगर अब विकास के नए दौर में प्रवेश कर चुका है। यहां शिक्षा के क्षेत्र में कई नई और अच्छी संस्थाओं की शुरूआत हो रही है, जिससे अब गांवों से शहर में पढ़ाई करने के लिए आने वाले छात्रों की संख्या में वृद्धि हो रही है। ऐसे में, इन छात्रों के लिए सुरक्षित और आरामदायक आवास की आवश्यकता महसूस हो रही थी, और 'देवकी छात्रावास' इस आवश्यकता को पूरी करेगा। डॉ. झा ने यह भी बताया कि इस छात्रावास में छात्रों को न केवल रहने की सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि यह स्थान पूरी तरह से सुरक्षित और संरक्षित भी होगा। यहां छात्रों को अध्ययन में कोई रुकावट न आए, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि वे बिना किसी चिंता के अपनी शिक्षा में पूरी तरह से ध्यान केंद्रित कर सकें। छात्रावास में रहने के दौरान छात्रों को एक अनुशासित और सुविधाजनक वातावरण मिलेगा, जो उनके पढ़ाई के लिए बहुत फायदेमंद साबित होगा। इस छात्रावास का उद्घाटन जामताड़ा में शिक्षा के क्षेत्र में एक नई शुरूआत को दशार्ता है। जहां पहले शहरों में रहकर पढ़ाई करने के लिए छात्रों को आवास की समस्याओं का सामना करना पड़ता था, वहीं अब 'देवकी छात्रावास' जैसी सुविधा के माध्यम से उनकी पढ़ाई में मदद मिलेगी और साथ ही वे एक सुरक्षित माहौल में रहकर अपनी शिक्षा पूरी कर सकेंगे। 'देवकी छात्रावास' का उद्घाटन जामताड़ा में शिक्षा के स्तर को और ऊंचा उठाने की दिशा में एक अहम कदम है, और यह भविष्य में यहां पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए एक सकारात्मक बदलाव लाएगा।

नारायणपुर क्षेत्र के घाटी बड़बहाल में भव्य कलश यात्रा से शुरू होगी श्री श्री 1008 हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ सह राम कथा

राष्ट्र संवाद संवाददाता/जामताड़ा

नारायणपुर थाना क्षेत्र के घाटी बड़बहाल यज्ञ मैदान में सोमवार को भव्य कलश यात्रा से पांच दिवसीय श्रीश्री 1008 हनुमंत प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ सह श्री राम कथा का श्री गणेश होगा। पंडित श्री धीरजकांत शास्त्री के मंत्र उच्चारण के साथ कलश यात्रा संपन्न होगी। कलश यात्रा में मुख्य जजमान राजेश तिवारी समेत अन्य छः दंपति यजमान शामिल होंगे। कलश यात्रा में केवल नारायणपुर ही नहीं बल्कि पड़ोसी जिले से भी सैकड़ो की संख्या में महिला तथा कुंवारी कन्या शामिल होंगे। प्रसिद्ध कथावाचक श्री कन्हैया त्रिवेदी के द्वारा लगातार पांच दिनों तक संगीतमय श्रीराम कथा की प्रस्तुति की जाएगी। कलश यात्रा सह पांच दिवसीय अनुष्ठान को लेकर यज्ञ समिति ने तैयारी पूरी कर ली है। यहां भव्य हनुमान मंदिर का निर्माण किया

गया है। सोमवार को सुबह साढ़े सात बजे बड़बहाल यज्ञ मैदान स्थित यज्ञ मंडप परिसर से कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो कई गांव को भ्रमण करते हुए गोविंदपुर साहिबगंज हाईवे किनारे कुमारगडिया नदी पहुंचेगी,फिर नदी किनारे पूजा-अर्चना के बाद कलश में जल भरवाया जायेगा,फिर कलश यात्रा वापस सभी गांव को भ्रमण करते हुए यज्ञ मैदान पहुंचेगी।

जहां यज्ञ मंडप में कलशों को स्थापित किया जायेगा। यज्ञ वेदियां, यज्ञशाला और पंडाल आदि का काम पूरा कर लिया गया है। यज्ञ कमेटी के सदस्यों ने बताया कि 17 फरवरी से पांच दिवसीय महायज्ञ सह संगीतमय श्री राम कथा का आयोजन होगा।

विधायक उदय शंकर सिंह एवं जिला परिषद सदस्य सुरेंद्र मंडल ने किया रोड का शिलान्यास

राष्ट्र संवाद संवाददाता

कमार्टांड़ प्रखंड के पिंडारी फाटक से शांतिपूर होते हुए कमार्टांड़ फाटक तक सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण सड़क परियोजना का उद्घाटन सारठ विधायक उदय शंकर सिंह उर्फ चुन्ना सिंह ने किया। कार्यक्रम में विधायक के साथ जिला परिषद सदस्य सुरेंद्र मंडल, जिला परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि महेंद्र मंडल, पंचायत समिति अख्तर अंसारी, मुखिया हेनो मरांडी बालो मंडल रामरतन मंडल बेजन मंडल मुबारक अंसारी सहित कई गणमान्य व्यक्ति और ग्रामीण उपस्थित रहे।

बरसों पुरानी मांग हुई पूरी

विकास कार्यो को गति देने का आश्वासन

विधायक उदय शंकर सिंह ने कहा कि सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ₹पिंडारी फाटक से शांतिपूर तक की सड़क बनने से स्थानीय लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। सरकार की प्राथमिकता है कि गांवों को बेहतर सड़क सुविधा मिले, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापार में भी सुधार होगा।₹ स्थानीय लोगों ने जताया स्थानीय ग्रामीणों ने विधायक और प्रशासन का आभार प्रकट किया।

हिन्दी दैनिक

राष्ट्र संवाद

आपका राष्ट्र, आपका संवाद

जमशेदपुर से प्रकाशित

मूल्य : दो रुपए

जमशेदपुर,
सोमवार 17 फरवरी 2025

नगर संस्करण
वर्षः 01,अंकः276

RNI No. : JHAHIN - 01092

rashtrasamvad.com

सुविचार

जीवन में ये भ्रम ना रखे की वो हमेशा आपके साथ ही रहेगे अगर कदर नहीं करोगे तो वो भी चले जायेगे ।

मणिपुर में राष्ट्रपति शासन के बाद 12 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल ,एजेंसी। मणिपुर में हिंसा को रोक पाने में विफलता के बाद केंद्र सरकार ने राष्ट्रपति शासन लगा दिया है। इस फैसले के बाद उग्रवादी संगठनों के कम से कम 12 सरगनाओं को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से सात कुकी नेशनल आर्मी से जुड़े हैं। इन संगठनों ने सरकार के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन समझौते पर साइन भी किए थे। मणिपुर में करीब 32 उग्रवादी संगठन ऐक्टिव हैं। इनमें से 25 ने सरकार के साथ समझौता किया था। 3 मई को हिंसा शुरू होने से दो महीने पहले ही मणिपुर सरकार ने कुकी नेशनल आर्मी और जोमी रेवोलूशनरी फ्रंट के साथ समझौता खत्म कर दिया गया था। उनपर अवैध रूप से जंगल पर कब्जा करने वालों के समर्थन में प्रदर्शन करने का आरोप था। इसके बाद उनके बीच समझौते को लेकर कोई ऐलान नहीं किया गया। वहीं पहले वाला समझौता फरवरी 2024 में ही खत्म हो गया था। शनिवार को जारी बयान में मणिपुर पुलि ने बताया कि केएनए के सात उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा ओल्ड खाउकुआल इलाके में गश्ती की जा रही है।

चर्च के अंदर मिले मंदिर के अवशेष,शुरू हुई पूजा

केरल का है मामला,अनोखा इतिहास भी आया सामने

तिरुअनंतपुरम ,एजेंसी। केरल में एक चर्च के कैंपस में खुदाई के दौरान मंदिर के अवशेष मिलने के बाद वहां पूजा अर्चना करने की अनुमति दी गई है। केरल के पलाई में एक कैथोलिक चर्च की जमीन पर खुदाई के दौरान प्राचीन मंदिर के अवशेष मिले हैं। इस जगह से शिवलिंग समेत कई धार्मिक चिन्ह सामने आए हैं, जिसके बाद इलाके चर्चा आम हो गई। दिलचस्प बात यह है कि चर्च प्रशासन ने सौहार्दपूर्ण रवैया अपनाते हुए हिंदू समुदाय को वहां पूजा अर्चना करने की इजाजत दे दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, 1.8 एकड़ की इस जमीन पर जब कसावा (टैपियोका) की खेती के लिए खुदाई हो रही थी, तभी ये अवशेष नजर आए। यह स्थान श्री वनदुर्गा भगवती मंदिर से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर है।

तहव्वुर राणा को भारत लाने के लिए तैयार एनआईए

नई दिल्ली ,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा के एक दिन बाद ही भारत की सुरक्षा एजेंसियों ने 26/11 मुंबई आतंकवादी हमले में शामिल तहव्वुर राणा को भारत लाने की तैयारी में जुट गई है। सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रीय जांच एजेंसी की एक टीम को तैयार रहने को कहा गया है। यह टीम कभी भी राणा को लाने के लिए अमेरिका जा सकती है। इस प्रक्रिया के लिए भारत सरकार ने अमेरिकी प्रशासन को दस्तावेज सौंप दिए हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय का कहना है कि एक समर्पण वारंट जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सूत्रों के हवाले से बताया कि तीन सदस्यीय एनआईए की टीम में एक इंस्पेक्टर जनरल-रैंक के अधिकारी और एक डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल-रैंक के अधिकारी होंगे। वे अमेरिकी अधिकारियों से समर्पण वारंट प्राप्त होने के बाद अमेरिका रवाना होंगे। टीम के सदस्य तहव्वुर राणा की कस्टडी एयरपोर्ट पर प्राप्त करेंगे और तुरंत भारत लौट आएंगे। आपको बता दें कि तहव्वुर राणा पाकिस्तानी मूल का है। वह वर्तमान में लॉस एंजिल्स की जेल में बंद हैं। उसका कनेक्शन पाकिस्तानी-अमेरिकी लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी डेविड कोलमैन हेडली से है। वह 2008 के मुंबई हमले का प्रमुख साजिशकर्ता था। इस हमले में 166 लोग मारे गए थे। प्रत्यर्पण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 21 जनवरी को राणा की तरफ से दोबारा दायर की गई समीक्षा याचिका खारिज कर दी थी।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत

आर्थिक मदद की घोषणा, राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री सहित सभी प्रमुख हस्तियों ने जताया दुख

मृतक परिजनों को 10 लाख, गंभीर रूप से घायलों को ढाई और मामूली रूप से घायलों को 1-1 लाख- अप्रत्याशित रूप से यात्रियों की संख्या बढ़ने और बेकाबू भीड़ के कारण हुआ हादसा, जांच के आदेश

नई दिल्ली,एजेंसी। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर प्रयागराज जाने वाली ट्रेनों में भीड़ के कारण शनिवार रात अचानक भगदड़ मच गई। हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई। वहीं 12 घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। भारतीय रेलवे की तरफ से मृतक परिजनों की आर्थिक मदद की घोषणा की गई है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री सहित सभी प्रमुख हस्तियों ने मरने वालों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

शनिवार रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 12, 13, 14, 15 और 16 पर भारी भीड़ के कारण यह हादसा हुआ। दिल्ली पुलिस ने 18 लोगों की मौत की पुष्टि की है जिनमें 14 महिलाएं हैं। एलएनजेपी अस्पताल में 15 और लेडी हार्डिंग अस्पताल में 3 लोगों को मृत घोषित किया गया। आर्थिक मदद की घोषणाभारतीय रेलवे ने मृतक परिजनों के लिए आर्थिक मदद की घोषणा की है। प्रत्येक मृतक परिजन को 10 लाख रुपये, गंभीर रूप से घायलों को ढाई लाख और मामूली रूप से जख्मी लोगों को एक-एक लाख की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने जताया शोकराष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मृतकों के प्रति शोक व्यक्त करते हुए कहा- नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ में लोगों की मौत के बारे में जानकर बहुत दुख हुआ। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए एक्स पर पोस्ट में लिखा- नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ से व्यथित हूं। मेरी संवेदनाएं उन सभी के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल शीघ्र स्वस्थ हों। अधिकारी उन सभी लोगों की सहायता कर रहे हैं जो इस भगदड़ से प्रभावित हुए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पोस्ट में लिखा- दुर्घटना में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। घायलों को हर संभव इलाज दिया जा रहा है। मैं उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए लिखा- नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से विनाशकारी खबर। रेलवे प्लेटफॉर्म पर भगदड़ के कारण लोगों की मौत से मैं बेहद दुखी हूं। दुख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

मृतकों की पहचान हुई

बक्सर बिहार निवासी आहा देवी (79), संगम विहार दिल्ली निवासी पिंकी देवी (41), सरिता विहार निवासी शीला देवी (50), बवाना दिल्ली निवासी व्योम (25), बिहार निवासी पूनम (40), बिहार निवासी ललिता देवी (35), मुजफ्फरपुर बिहार निवासी सुरुचि (11), समस्तीपुर बिहार निवासी कृष्णा देवी (40) समस्तीपुर बिहार निवासी विजय साह (15), वैशाली बिहार निवासी नीरज (12), नवादा बिहार निवासी शांति देवी (40), नवादा बिहार निवासी पूजा (8), भिवानी हरियाणा निवासी संगीता मलिक (34), महावीर एन्क्लेव निवासी पूनम (34), नांगलोई दिल्ली निवासी ममता झा (40), सागरपुर दिल्ली निवासी रिया सिंह (7), बिजवासन दिल्ली निवासी बेबी (24) और नांगलोई दिल्ली निवासी मनोज (47) के रूप में हुई है।

अचानक मची भगदड़

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन में बीती देर हुए हादसे योगेश ने मिश्रा ने बताया कि उनकी ट्रेन प्लेटफार्म नंबर 15 में थी। एसी-2 की टिकट ली थी। लेकिन, भीड़ इतनी ज्यादा थी कि किसी भी बोगी में पैर रखने की जगह नहीं थी। सब लोग एक-दूसरे के ऊपर चढ़ रहे थे। उन्होंने बताया कि रेल के बाथरूम में भी लोग भरे हुए थे। कुछ ही दूरी पर खड़ी बिमला देवी ने बताया क उनके पति हार्ट के मरीज हैं। उन्हें आखिरी बार 10 बजे देखा था, उसके बाद से उनसे कोई संपर्क नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि न पुलिस सहयोग कर रही है न ही रेल प्रशासन। उन्होंने कहा कि वह तीन से चार चक्कर अस्पताल से लेकर यहां तक काट चुकी हैं। वह घबराकर कहती हैं कि कोई उनकी मदद करें। राकेश रावत ने बताया कि दिल्ली में रनहौला में रहते है। दो महीना पहले ही उन्होंने टिकट बुक करवाई थी। रात में वह परिवार के चार सदस्यों के साथ स्टेशन में आए थे। वह 14 नंबर प्लेटफार्म के पास खड़े थे, तभी अचानक से सौ के करीब लोग भागने लगे, लोग चिल्ला रहे थे, ट्रेन इस प्लेटफार्म में नहीं दूसरी जगह आनी वाली है। रावत ने बताया कि सिर्फ पांच मिनट के अंदर पूरी घटना हो गई। उन्होंने कई बच्चों को भगदड़ में नीचे गिरते हुए देखा था। घटना के बाद इलाके की घेराबंदीनई दिल्ली स्टेशन पर भीड़ का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता हादसे के बाद चारों तरफ अफरातफरी मच गई। जिस दौरान घटना हुई उस दौरान कई ट्रेन प्रयागराज की तरफ जाने वाली थी। घटना से अनजान लोगों का स्टेशन पर आने का सिलसिला जारी था। लोगों की संख्या बढ़ने लगी, जिसे देखते हुए नई दिल्ली स्टेशन की ओर आने वाले सभी मार्ग को बंद कर दिया गया और वाहनों को स्टेशन पर आने से रोक दिया गया। ट्रेन में सवार नहीं होने वाले के साथ साथ कई लोग खुद ही भीड़ को देखते हुए स्टेशन से बाहर निकलने लगे।

कई लोगों की ट्रेन छूटी

नई दिल्ली स्टेशन पर भीड़ की वजह से कई लोगों की ट्रेन छूट गई। लोगों ने बताया कि उन्हें अन्य ट्रेन से अपने गंतव्य तक जाना था लेकिन भीड़ की वजह से वह प्लेटफार्म के भीतर नहीं जा पाए और उनकी ट्रेन छूट गई। लोगों ने बताया कि रस्ते बंद करने की वजह से वह यहां से वहां भटकते रहे।

नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में शुरू हुआ आदि महोत्सव 2025

जनजातीय विरासत को प्रस्तुत और प्रोत्साहित करने में प्रमुख है आदि महोत्सव का आयोजनः राष्ट्रपति

राष्ट्र संवाद संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को कहा कि आदि महोत्सव जनजातीय विरासत को प्रस्तुत करने और उसे प्रोत्साहित करने का एक प्रमुख आयोजन है। ऐसे उत्सव, जनजातीय समाज के उद्यमियों, शिल्पकारों और कलाकारों को बाजार से जुड़ने का बहुत अच्छा अवसर प्रदान करते हैं। जनजातीय मामलों के मंत्रालय के तहत भारतीय जनजातीय सहकारी विपणन विकास संघ लिमिटेड (ट्राइफेड) 16-24 फरवरी तक मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम नई दिल्ली में प्रतिष्ठित आदि महोत्सव 2025 का शुभारंभ हो गया। राष्ट्रपति मुर्मु आज मुख्य अतिथि के रूप में इस महोत्सव के उद्घाटन समारोह में शामिल हुईं। कार्यक्रम में जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम भी मौजूद रहे। इस महोत्सव में 600 से अधिक आदिवासी कारीगर, 500 प्रदर्शनकारी कलाकार भाग ले रहे है। इस मौके पर 25 आदिवासी खाद्य स्टॉल भी लगाए गए हैं। यहां 30 से अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विविध परंपराओं का प्रतिनिधित्व भी है।

इस अवसर पर राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि जनजातीय समाज की शिल्प-कलाएं, खान-पान, वस्त्र और आभूषण, चिकित्सा पद्धतियां, घरेलू उपकरण तथा खेल-कूद हमारे देश की अनमोल धरोहर हैं। वे न केवल पारंपरिक हैं, बल्कि आधुनिक और वैज्ञानिक भी हैं। वे पर्यावरण के साथ एक प्राकृतिक सद्भाव प्रदर्शित करते हैं और एक स्थायी जीवन शैली का अनुकरण करते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि पिछले 10 वर्ष में आदिवासी समुदायों के व्यापक विकास के लिए कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं। किसी भी समाज के विकास में शिक्षा की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है। यह प्रसन्नता की बात है कि देश में 470 से अधिक एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों के माध्यम से

लगभग सवा लाख आदिवासी बच्चों को स्कूली शिक्षा दी जा रही है। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन अभियान के तहत विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समुदाय के लगभग 28 लाख लोगों को लाभ पहुंचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बड़े पैमाने पर अभियान की सफलता का विस्तार करने के लिए और यह सुनिश्चित करने के लिए कि जनजाती समुदायों के पांच करोड़ से अधिक लोग सरकारी पहलों से लाभान्वित होते हैं, पिछले साल गांधी जयंती पर धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान शुरू किए गए थे।

अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे अप्रवासी भारतीयों को लेकर दूसरा विमान भारत लौटा

चंडीगढ़। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे अप्रवासी भारतीयों को लेकर शनिवार देर रात अमेरिकी सेना का दूसरा विमान अमृतसर पहुंचा। भारतीयों के दूसरे दल की वापसी को लेकर किसी ने आधिकारिक जानकारी नहीं दी है लेकिन बताया जा रहा है कि इस विमान से 116 भारतीय नागरिक अपने देश वापस लौटे हैं। अमेरिकी सेना का विमान शनिवार रात 11.40 बजे अमृतसर एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। इसके बाद करीब तीन घंटे तक कागजी कार्यवाही की गई। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पिछले दो दिनों से अमृतसर में हैं और पंजाब सरकार द्वारा अमेरिका से आने वाले भारतीयों के स्वागत का प्रबंध किया गया था। इसके बावजूद देर रात जब जहाज अमृतसर में लैंड हुआ तो मुख्यमंत्री भगवंत मान की बजाए पंजाब के एनआरआई मंत्री कुलदीप धालीवाल, कैबिनेट मंत्री हरभजन सिंह ईटीओ यहां मौजूद थे। केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू भी शनिवार रात यहां पहुंचे थे लेकिन वापस चले गए।

भारत को विकसित बनाने में कपड़ा क्षेत्र का भी होगा बड़ा योगदानः प्रधानमंत्री

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में सदियों से कपड़ा उद्योग की बड़ी भूमिका रही है। वर्तमान में भारत को विकसित बनाने में भी कपड़ा क्षेत्र का बड़ा योगदान रहने वाला है। भारत टेक्स जैसे आयोजन इस क्षेत्र में भारत की स्थिति को मजबूत बना रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित 'भारत टेक्स-2025' कार्यक्रम को संबोधित कर थे। वैश्विक स्तर का आयोजन 14 से शुरू हुआ था और 17 फरवरी तक चलेगा। भारत टेक्स में 120 से अधिक देश भाग ले रहे हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा कपड़ा और परिधान निर्यातक देश है। भारत का निर्यात 3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। अब हमारा लक्ष्य है कि वर्ष 2030 तक हम इसे 9 लाख करोड़ रुपये तक लेकर जाएं। भारत के कपड़ा क्षेत्र की समस्याओं का समाधान और संभावनाओं का सृजन हमारा संकल्प है। इसके लिए हम दूरदर्शी और लम्बे कालखंड के नवाचार पर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि अगले कुछ वर्षों में भारत की कपड़ा रिसाइक्लिंग बाजार 40 करोड़ डॉलर तक पहुंचने की संभावना है। वैश्विक रिसाइक्लिंग बाजार करीब 7.5 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। अगर हम सही दिशा में आगे बढ़ें, तो भारत इसमें और बड़ा शेयर हासिल कर सकता है। इस सफलता के पीछे पूरे एक दशक की मेहनत और निरंतर नीति को श्रेय देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि पिछले एक दशक में हमारे कपड़ा क्षेत्र में विदेशी निवेश दोगुना हुआ है। कपड़ा देश में सबसे ज्यादा रोजगार के अवसर देने वाली उद्योगों में से एक है।

हिंदू समाज को संगठित कर रहा संघ : मोहन भागवत

संघ प्रमुख ने पश्चिम बंगाल के बर्दवान में संबोधितकिया स्वयंसेवकों को

कोलकाता। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि संघ का कार्य महात्मा बुद्ध के राष्ट्र निर्माण प्रयासों की तरह ही है। जिस तरह महात्मा बुद्ध ने समाज को एकजुट कर आध्यात्मिक और नैतिक उत्थान की नींव रखी थी, उसी तरह संघ भी पूरे हिंदू समाज को संगठित करने का कार्य कर रहा है। वह शनिवार को पश्चिम बंगाल के बर्दवान में स्वयंसेवकों के एक समारोह को संबोधित कर रहे थे।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि संघ पूरे हिंदू समाज को एकजुट करना चाहता है। यह समाज केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए उत्तरदायी है। भारत की अपनी एक प्रकृति है, जो इसे विशेष बनाती है। जो इस प्रकृति के साथ नहीं रह सकते थे, उन्होंने अपना अलग देश बना लिया। लेकिन जो यहां रहे, वे भारत की इस मूल आत्मा से जुड़े हुए हैं। भारत केवल एक भूगोल नहीं, बल्कि एक स्वभाव है, जो 15 अगस्त 1947 से बहुत पहले से अस्तित्व में है। हम किसी राजा को नहीं, बल्कि उस राजा को याद करते हैं, जिसने अपने पिता की आज्ञा का पालन करने के लिए 14 साल तक वनवास सहन किया। जब तक यह प्रकृति बनी रहेगी, तब तक भारत रहेगा। हिंदू समाज और भारत एक ही हैं।उन्होंने कहा कि भारत को किसी बाहरी शक्ति ने नहीं बनाया, बल्कि यह हजारों सालों से एक सशक्त राष्ट्र के रूप में विद्यमान है। महात्मा गांधी का उदाहरण देते हुए कहा कि गांधी जी ने भी एक साक्षात्कार में कहा था कि अंग्रेजों ने हमें बताया कि भारत उन्होंने बनाया है, लेकिन यह पूरी तरह गलत है। भारत सदियों से अस्तित्व में है, विविधतापूर्ण, लेकिन एकजुट है। सरसंघचालक ने स्पष्ट किया कि संघ के प्रति कई लोगों की गलतफहमी है, लेकिन वास्तव में संघ केवल समाज को संगठित करने का कार्य कर रहा है। हमारी 70 हजार से अधिक शाखाएं हैं । हम इन्हें इसलिए आगे बढ़ा रहे हैं, ताकि समाज और राष्ट्र को लाभ मिले।

विदेशी ताकतें कर रहीं है भारत को तोड़ने का जिक्र : मोहन भागवत ने भारत पर हुए विदेशी आक्रमणों का जिक्र करते हुए कहा कि सिकंदर के समय से ही विदेशी ताकतें भारत को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं। मुट्ठीभर लोग आते हैं, हमसे श्रेष्ठ नहीं होते, लेकिन हम पर शासन कर जाते हैं।

संपादक की कलम से

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ का जिम्मेदार कौन?

देवानंद सिंह

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर शनिवार को मची भगदड़ ने कई सवाल खड़े किए हैं। यह अत्यंत दुखद है कि इस हादसे में 18 लोगों की जान चली गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए हैं। यह घटना न केवल भारतीय रेलवे की सुरक्षा और प्रबंधन व्यवस्था पर सवाल उठाती है, बल्कि हमारे सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था, प्रशासन की लापरवाही और नागरिकों की जिम्मेदारी पर भी गंभीर चिंताएं व्यक्त करती है।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन देश का एक प्रमुख और अत्यधिक भीड़-भाड़ वाला रेलवे स्टेशन है, यह घटना उस समय घटी, जब बड़ी संख्या में यात्री एक विशेष ट्रेन के आगमन की प्रतीक्षा कर रहे थे। जैसे ही ट्रेन का वक्त पास आया, अचानक से भीड़ बढ़ गई और भीड़ भगदड़ में बदल गई। यह भगदड़ इतनी भयावह थी कि इसमें 18 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। यह घटनाक्रम एक बार फिर भारतीय रेलवे की सुरक्षा व्यवस्था की बड़ी कमजोरियों को उजागर करता है।

सबसे पहला और प्रमुख सवाल यह उठता है कि इस घटना के लिए भारतीय रेलवे प्रशासन जिम्मेदार है या नहीं ? रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ की स्थिति को नियंत्रित करने में विफलता, सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन न करना, और आपातकालीन प्रतिक्रिया की कमी यह सब भारतीय रेलवे के जिम्मेवार विभागों की लापरवाही को दशार्ते हैं। रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी भारतीय रेलवे की होती है, लेकिन इस घटना में साफ दिखता है कि उपयुक्त योजना और प्रबंधन की कमी थी। यदि, रेलवे प्रशासन ने समय रहते उपाय किए होते, तो इस तरह के भयानक परिणाम से बचा जा सकता था।

केवल रेलवे ही नहीं, बल्कि राज्य और केंद्रीय प्रशासन भी इस घटना के जिम्मेदार हैं। भारतीय रेलवे के लिए सुरक्षा उपायों का निर्धारण सरकार के स्तर पर होता है। यह भी महत्वपूर्ण है कि ऐसे बड़े स्थानों पर पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल और पुलिस मौजूद रहे ताकि किसी भी आपातकालीन स्थिति का सामना किया जा सके। राज्य सरकार की ओर से रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुरक्षा को लेकर किए गए उपायों की समीक्षा करने की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हों।

इसके साथ-साथ, यात्री भी इस तरह की घटनाओं के लिए कुछ हद तक जिम्मेदार हो सकते हैं। कभी-कभी लोग अत्यधिक भीड़-भाड़ में गुस्से में आकर और बिना सोचे-समझे अराजकता का कारण बनते हैं। हालांकि, यह नहीं कहना है कि नागरिकों को इस दुर्घटना का पूरा दोष देना चाहिए, लेकिन यह जरूर जरूरी है कि यात्री भी अपने व्यवहार में संयम बनाए रखें और किसी भी आपातकालीन स्थिति से बचने के लिए प्रशासन की सलाह मानें।

रेलवे स्टेशन पर असामान्य रूप से भारी भीड़ होने से यह स्पष्ट था कि व्यवस्थाएं पहले से ही दबाव में थीं। जब एक साथ बड़ी संख्या में यात्री एकत्र होते हैं, तो यात्री प्रवाह का सही तरीके से प्रबंधन करना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यदि ,ऐसा प्रबंधन नहीं किया जाता, तो ऐसी घटनाएं होना लाजमी हैं। इस घटना में भी भारी भीड़ के कारण भगदड़ मचने की संभावना बहुत बढ़ गई थी।

यह घटना यह भी दशार्ती है कि रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर कोई ठोस योजना और उपाय नहीं थे। गेटों और प्लेटफार्मों पर पर्याप्त पुलिस या सुरक्षा बल की कमी ने भगदड़ को और बढ़ावा दिया। इसके अलावा, सही तरीके से बैरिकेड्स का न होना और आपातकालीन निकासी रास्तों की समस्या भी एक महत्वपूर्ण कारण था।

ट्रेन की समय पर या देर से आने की स्थिति भी यात्रियों को अराजकता की ओर ले जाती है। यात्रियों को ट्रेन के समय का सही तरीके से निर्धारण और सूचना मिलने पर वे अपने स्थान पर बने रह सकते थे, लेकिन जब ट्रेन के समय में कोई अनिश्चितता या देरी होती है, तो यात्री जल्दी में होते हैं और यह स्थिति संघर्ष और भगदड़ को बढ़ाती है।

भारतीय रेलवे को अपनी सुरक्षा और यात्री प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने की आवश्यकता है। रेलवे स्टेशनों पर स्मार्ट सुरक्षा उपायों की शुरूआत करनी चाहिए, जैसे कि बेहतर सूचना प्रणाली, ट्रेन समय पर अपडेट, और यात्री प्रवाह का बेहतर नियंत्रण। साथ ही, स्टेशनों पर यात्रियों के लिए अलग-अलग क्षेत्रों का निर्धारण और यात्री दिशानिदेर्शों का पालन करना भी अनिवार्य है।

रेलवे प्रशासन को आपातकालीन सुरक्षा योजना को लागू करना होगा। यह योजना सुरक्षा बलों की तैनाती, यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के उपाय और भगदड़ जैसी घटनाओं को रोकने के लिए जमीनी कार्यवाही को सुनिश्चित करेगी।यात्रियों को अपनी जिम्मेदारी का एहसास कराना और उन्हें समझाना भी जरूरी है कि वे सुरक्षा निदेर्शों का पालन करें। इसके लिए रेलवे प्रशासन को नियमित जागरूकता अभियान चलाने होंगे, ताकि यात्री समझें कि किसी भी आपातकालीन स्थिति में उनका संयम कितना महत्वपूर्ण है।

कुल मिलाकर, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ की घटना एक गंभीर चेतावनी है कि हमें अपनी यात्री सुरक्षा व्यवस्था को फिर से मजबूत करने की आवश्यकता है। यह घटना हमें यह समझाती है कि प्रशासन, रेलवे और नागरिकों को मिलकर इस तरह की आपातकालीन स्थितियों से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने की जरूरत है। इससे ना केवल भविष्य में होने वाली घटनाओं को रोका जा सकता है, बल्कि भारतीय रेलवे प्रणाली को भी एक सुरक्षित और व्यवस्थित रूप दिया जा सकता है।

अत्यधिक महत्वकांक्षा से टूटती परिवार के रिश्तों की डोर

प्रियंका सौरभ

बिखर रहे चूल्हे सभी, सिमटे आँगन रोज। नई सदी ये कर रही, जाने कैसी खोज॥

पिछले कुछ समय में पारिवारिक ढांचे में काफी बदलाव हुआ है। मगर परिवारों की नींव का इस तरह से कमजोर पड़ना कई चीजों पर निर्भर हो गया है। अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी होना ही रिश्ते टूटने की प्रमुख वजह है। जब परिवारों में होड लगनी शुरू हो जाये एवं एक दूसरे के सुख-दुख से ज्यादा परस्पर प्रतिस्पर्धा का भाव जग जाये। समझना कि परिवार अथवा रिश्ते अपनी अंतिम सांस गिन रहे है। परिवार के टूटने के कारण अचानक पैदा नहीं होते। कई बार और समस्याएँ भी हो सकती है जैसे पैसा, प्रॉपर्टी, पसंद-नापसंद आदि। छोटे-मोटे झगड़े, किसी सदस्य की अनदेखी वगैराह के चलते भी अक्सर परिवारों में मनमुटाव हो जाता है। पर जो भी हो परिवार सबसे बडे सर्पोट सिस्टम में से एक होता है। इसलिए कोशिश करनी चाहिए की परिवार की मूल अवधारणा ज़िंदा बनी रहे और केवल मर्दस डे, फार्दस डे या सोशल मीडिया तक सीमित होकर न रह जाए।

खोज॥₹

परिवार, भारतीय समाज में, अपने आप में एक संस्था है और प्राचीन काल से ही भारत की सामूहिक संस्कृति का एक विशिष्ट प्रतीक है। नैतिक मजबूती के साथ-साथ यह व्यक्ति के परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों को बिना किसी हिचकिचाहट के कठिन समय में भरोसा करने के लिए लचीलापन प्रदान करता है। यह कठिनाइयों से निपटने के लिए अनैतिक साधनों के उपयोग से बचाता है। परिवार लोगों को सांसारिक समस्याओं के प्रति स्त्री के दृष्टिकोण को विकसित करने में मदद करता है। मगर वर्तमान दौर में हम संस्था के रूप में परिवार में गिरावट का कटु अनुभव झेल रहे है।

₹ घर-घर में मनभेद है, बचा नहीं अब प्यार॥
फूट-कलह ने खींच दी, हर आँगन दीवार॥
स्नेह और आशीष में, बैठ गई है रार।
अरमानों के बाग में, भरा जलन का खार॥₹

गिरावट के प्रतीक के रूप में आज परिवार खंडित हो रहा है, वैवाहिक सम्बन्ध टूटने, आपसे भाईचारे में दुश्मनी एवं हर तरह के रिश्तों में कानूनी और सामाजिक झगड़ों में वृद्धि हुई है। आज सामूहिकता पर व्यक्तिवाद हावी हो गया है। वर्तमान स्थिति में भड़काऊ रवैया परिवारों के बिखरने का प्रमुख कारण है। परिवार के अन्य सदस्यों को उच्च आय और कम जिम्मेदारी ने विस्तारित परिवारों को विभाजित किया है। आज के अधिकांश सामाजिक कार्य, जैसे कि बच्चे की परवरिश, शिक्षा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, बुजुर्गों की देखभाल आदि; बाहर की एजेंसियों, जैसे क्रेच, मीडिया, नर्सरी स्कूलों, अस्पतालों, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्रों, धर्मशाला संस्थानों ने ठेकेदारों के तौर पर संभाल लिए हैं जो कभी परिवार के बड़े लोगों की जिम्मेवारी होती थी।

₹ बड़े बात करते नहीं, छोटों को अधिकार।
चरण छोड़ घुटने छुए, कैसे ये संस्कार॥
कहाँ प्रेम की डोर अब, कहाँ मिलन का सार।
परिजन ही दुश्मन हुए, छुप-छुप करे प्रहार॥₹

परिवार संस्था के पतन ने हमारे भावनात्मक रिश्तों में बाधा पैदा कर दी है। एक परिवार में एकीकरण बंधन आपसी स्नेह और रक्त से सम्बंध हैं। एक परिवार एक बंद इकाई है जो हमें भावनात्मक सम्बंधों के कारण जोड़कर रखता है। नैतिक पतन परिवार के टूटने में अहम कारक है क्योंकि वे बच्चों को दूसरों के लिए आत्म सम्मान और सम्मान की भावना नहीं भर पाते हैं। पद-पैसों की अंधी दौड़ से आज सामाजिक-आर्थिक सहयोग और सहायता का सफाया हो गया है। परिवार अपने सदस्यों, विशेष रूप से शिशुओं और बच्चों के विकास और विकास के लिए आवश्यक वित्तीय और भौतिक सहायता तक सिमित हो गए हैं, हम आये दिन कहीं न कहीं बुजुर्गों सहित अन्य आश्रितों की देखभाल के लिए, अक्षम और दुर्बल परिवार प्रणाली की गिरावट की बातें सुनते और देखते हैं जब उन्हें अत्यधिक देखभाल और प्यार की आवश्यकता होती है।

भविष्य में संस्था के रूप में परिवार में गिरावट समाज में संरचनात्मक परिवर्तन लाएगी। सकारात्मक पक्ष पर, भारतीय समाज में जनसंख्या की वृद्धि में कमी देखी जा सकती है और संस्था के रूप में परिवार में गिरावट के प्रभाव के रूप में हो सकता है। हालाँकि, संयुक्त परिवार से परिवार के संरचनात्मक परिवर्तनों को समझने की आवश्यकता है, कुछ मामलों में इसे परिवार प्रणाली की गिरावट नहीं कहा जा सकता है। जहाँ परिवार प्रणाली किसी सकारात्मक परिवर्तन के लिए संयुक्त परिवार से एकल परिवार में परिवर्तित होती है। वैसे भी भारतीय समाज भी परिवार के संलयन और विखंडन की अनूठी विशेषता का निवास करता है जिसमें भले ही परिवार के कुछ सदस्य अलग-अलग स्थानों में अलग-अलग रहते हैं, फिर भी एक परिवार के रूप में रहते हैं।

₹ बच पाए परिवार तब, रहता है समभाव।
दुःख में सारे साथ हो, सुख में सबसे चाव॥
अगर करें कोई तीसरा, सौरभ जब भी वार॥
साथ रहें परिवार के, छोड़े सब तकरार॥₹

परिवार एक बहुत ही तरल सामाजिक संस्था है और निरंतर परिवर्तन की प्रक्रिया में है। आधुनिकता समान-लिंग वाले जोड़ों (एलजीबीटी सम्बंध) , सहवास या लिव-इन सम्बंधों, एकल-माता-पिता के घरों, अकेले रहने वाले या अपने बच्चों के साथ तलाक का एक बड़ा हिस्सा उभरने का गवाह बन रहा है। इस तरह के परिवारों को पारंपरिक रिश्तेदारी समूह के रूप में कार्य करना आवश्यक नहीं है और ये सामाजीकरण के लिए अच्छी संस्था साबित नहीं हो सकती। भौतिकवादी युग में एक-दूसरे की सुख-सुविधाओं की प्रतिस्पर्धा ने मन के रिश्तों को झुलसा दिया है। कच्चे से पक्के होते घरों की ऊँची दीवारों ने आपसी वातालाप को लुप्त कर दिया है। पत्थर होते हर आंगन में फूट-कलह का नंगा नाच हो रहा है।

आपसी मतभेदों ने गहरे मन भेद कर दिए है। बड़े-बुजुर्गों की अच्छी शिक्षाओं के अभाव में घरों में छोटे रिश्तों को ताक पर रखकर निर्णय लेने लगे है। फलस्वरूप आज परिजन ही अपनों को काटने पर तुले है। एक तरफ सुख में पडोसी हलवा चाट रहें है तो दुःख अकेले भोगने पड़ रहें है। हमें ये सोचना-समझना होगा कि अगर हम सार्थक जीवन जीना चाहते है तो हमें परिवार की महत्ता समझनी होगी और आपसी तकरारों को छोड़कर परिवार के साथ खड़ा होना होगा तभी हम बच पायंगे और ये समाज रहने लायक होगा।

भारत एक सफल लोकतांत्रिक देश जो लोगों के जीवन को बेहतर बना रहा है

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ का करीब करीब हर देश किसी न किसी वैश्विक मंच में हितधारक होने के नाते से जुड़ा है, जिससे उनके हितों को बल मिलता है व उनके देश के बारे में दुनियाँ को गहराई से जानने में अनेक देश उत्सुक होते हैं, जिससे उन्हें वैश्विक पहचान मिलती है, उनकी खूबियाँ वैश्विक पटल पर आती है। अनेक अंतरराष्ट्रीय मंच अधिकृत हैं जिनमें पारित प्रस्ताव को सभी सदस्य देशों को मानना पड़ता है, तो कई निजी मंच भी होते हैं जिनमें से एक है, म्युनिख (जर्मनी) सुरक्षा सम्मेलन जो अभी जर्मनी के म्यूनिख में 61 वाँ सम्मेलन 16 फरवरी 2025 को समाप्त हुआ, जिसमें तीनों दिन तक अमेरिकी उपराष्ट्रपति, भारतीय विदेश मंत्री और गृहमंत्री यूक्रेन के राष्ट्रपति सहित 60 से अधिक नेता क्रमवार शामिल हुए। तीन दिनों तक अनेक विषयों पर चर्चा की गई जिसमें यूक्रेन-रूस युद्ध समस्या सुलझाना, लोकतंत्र को मजबूत करना सहित तीनों दिन अनेक विषयों पर क्रमवार चर्चा की गई। इस सम्मेलन में, संवाद के माध्यम से शांति विषय के अंतर्गत, नाटो और यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के वरिष्ठ राजनेताओं, राजनयिकों, सैन्य और सुरक्षा विशेषज्ञोंके साथ- साथ चीन,भारत ईरान जापान दक्षिण कोरिया और रूस जैसे अन्य देशों के वरिष्ठ राजनेताओं, राजनयिकों, सैन्य और सुरक्षा विशेषज्ञों को सुरक्षा और रक्षा नीतियों में वर्तमान मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया है।सम्मेलन का उद्देश्य सामयिक मुख्य सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करना तथा नेटवर्क सुरक्षा की अवधारणा के अनुरूप वर्तमान और भविष्य में मुख्य सुरक्षा चुनौतियों पर बहस और विश्लेषण करना है। सम्मेलन का मुख्य बिंदु 21वीं सदी में ट्रान्साटलांटिक संबंधों के विकास के साथ-साथ यूरोपीय और वैश्विक सुरक्षा पर चर्चा और विचारोंका आदान-प्रदान है।सम्मेलन निजी तौर पर आयोजित किया जाता है और इसलिए यह कोई आधिकारिक सरकारी कार्यक्रम नहीं है। इसका उपयोग केवल चर्चा के लिए किया जाता है।चूँकि भारत ने म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में सहभागी होकर अपने विचार रखे इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे 6वें म्युनिख (जर्मनी)सुरक्षा सम्मेलन 14 से 16 फरवरी 2025 का आगाज।

साथियों बात अगर हम म्युनिख सुरक्षा सम्मेलन को समझने की करें तो, पिछले चार दशकों में म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा नीति निर्णयकताओं द्वारा विचारों के आदान-प्रदान के लिए सबसे महत्वपूर्ण स्वतंत्र मंच बन गया है। हर साल यह दुनियाँ भर के 70 से अधिक देशों के लगभग 350 वरिष्ठ लोगों को वर्तमान और भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों पर गहन बहस में शामिल होने के लिए एक साथ लाता है। उपस्थित लोगों की सूची में राष्ट्राध्यक्ष,सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख , मंत्री,संसद के सदस्य,सशस्त्र बलों,विज्ञान,नागरिक समाज के उच्च पदस्थ प्रतिनिधि,साथ ही व्यापार और मीडिया शामिल हैं ।यह सम्मेलन हर साल फरवरी में आयोजित किया जाता है।इसका आयोजन स्थल म्यूनिख ,बवेरिया जर्मनी में होता है। इस सम्मेलन में, संवाद के माध्यम से शांति विषय के अंतर्गत, नाटो और यूरोपीय संघ के सदस्य देशों के वरिष्ठ राजनेताओं, राजनयिकों, सैन्य और सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ-साथ चीन , भारत , ईरान , जापान , दक्षिण कोरिया और रूस जैसे अन्य देशों के वरिष्ठ राजनेताओं, राजनयिकों, सैन्य और सुरक्षा विशेषज्ञों को सुरक्षा और रक्षा नीतियों में वर्तमान मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया गया था। सम्मेलन का उद्देश्य सामयिक मुख्य सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा करना तथा नेटवर्क सुरक्षा की अवधारणा के अनुरूप वर्तमान और भविष्य में मुख्य सुरक्षा चुनौतियों पर बहस और विश्लेषण करना है। सम्मेलन का मुख्य बिंदु 21वीं सदी में ट्रान्साट लांटिक संबंधों के विकास के साथ-साथ यूरोपीय और वैश्विक सुरक्षा पर चर्चा और विचारों का आदान-प्रदान हैसम्मेलन निजी तौर पर आयोजित किया जाता है और इसलिए यह कोई आधिकारिक सरकारी कार्यक्रम नहीं है।बाध्यकारी अंतर-सरकारी निर्णयों के लिए प्राधिकरण मौजूद नहीं है। इसके अलावा, सामान्य परंपराओं के विपरीत - कोई आम अंतिम विज्ञप्ति नहीं है। उच्च स्तरीय बैठक का उपयोग प्रतिभागियों के बीच अलग-अलग पृष्ठभूमि चचाओं के लिए भी किया जाता है। अपवाद वैश्विक राजनीतिक निर्णयों की प्रस्तुति है, जैसे कि संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के बीच न्यू स्टार्ट निरस्त्रीकरण समझौते के लिए अनुसमर्थन के साधनों काआदान-प्रदान जो 2011 में सुरक्षा सम्मेलन के समापन पर आयोजित किया गया था।

साथियों बात अगर हम म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में केंद्रीय गृहमंत्री भारत द्वारा प्रतिनिधित्व कर अपने विचार प्रकट करने की करें तो, उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ मुद्दे पर अपने विचार रखे।उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देशों के बीच एकता जरूरी है।पीएम के नेतृत्व में भारत आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक समुदाय के साथ मजबूती से खड़ा है। आतंकवाद की फंडिंग के लिए सीमा पार संबंध तेजी से बढ़ रहे हैं। साथ ही नई तकनीक के विकास के कारण आतंकवादियों के लिए धन के प्रवाह के लिए उपयोग किए जाने वाले स्रोत, तरीके और चैनल तेजी से पेचीदा होते जा रहे हैं। यह वैश्विक सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बन रहे हैं।उन्होंने आतंकी फंडिंग का मुकाबला करने, जोखिमों को लेकर सतर्क होने और नई दिल्ली में आयोजित एनएमएफटी सम्मेलन 2022 की चर्चा को आगे बढ़ाने के लिए बहुपक्षीय सहयोग के मुद्दे पर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए जर्मन सरकार का आभार जताया।

साथियों बात अगर हम भारतीय विदेश मंत्री द्वारा रखें अपने विचारों की करें तो,भारत चुनौतियों के बावजूद लोकतंत्र के प्रति वफादार है। भारत हमारे सामने आने वाली सभी चुनौतियों के बावजूद, यहां तक ??कि कम आय के बावजूद, लोकतांत्रिक मॉडल के प्रति वफादार रहा है, जो कि दुनियाँ के हमारे हिस्से में भी देखने को मिलता है। हम लगभग एकमात्र देश हैं जिसने ऐसा किया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत को एक ऐसे लोकतंत्र के रूप में रेखांकित किया जो परिणाम देता है। प्रचलित राजनीतिक निराशावाद से असहमत। विदेशी हस्तक्षेप पर अपने विचार व्यक्त किए। जयशंकर के अलावा, पैनल में नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर, अमेरिकी सीनेटर एलिसा स्लोटकिन और वारसॉ के मेयर रफाल ट्रजास्कोवस्क शामिल थे। उन्होंने यह भी कहा कि भारत 80 करोड़ लोगों को पोषण सहायता देता है। इस प्रकार उन्होंने अमेरिकी सीनेटर एलिसा स्लोटकिन की इस टिप्पणी का खंडन किया कि लोकतंत्र खाने की व्यवस्था नहीं करता। साथियों बात अगर हम अंतिम सत्र भूमि बहाली और सुरक्षा पर बातचीत की करें तो, जब भूमि संघर्ष का स्रोत बन जाती है?

महान साधक थे रामकृष्ण परमहंस

रमेश सर्राफ धमोरा

रामकृष्ण परमहंस भारत के एक महान संत, आध्यात्मिक गुरु एवं विचारक थे। इन्होंने सभी धर्मों की एकता पर जोर दिया। उन्हें बचपन से ही विश्वास था कि ईश्वर के दर्शन हो सकते हैं। अत: ईश्वर की प्राप्ति के लिए उन्होंने कठोर साधना और भक्ति का जीवन बिताया। स्वामी रामकृष्ण मानवता के पुजारी थे। साधना के फलस्वरूप वह इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि संसार के सभी धर्म सच्चे हैं और उनमें कोई भिन्नता नहीं। वे ईश्वर तक पहुँचने के भिन्न-भिन्न साधन मात्र हैं। 19 वीं शताब्दी में श्री रामकृष्ण परमहंस एक रहस्यमयी और महान योगी पुरुष थे।

जिन्होंने काफी सरल शब्दों में अध्यात्मिक बातों को सामान्य लोगों के सामने रखा। जिस समय हिन्दू धर्म बड़े संकट में फंसा हुआ था उस समय श्री रामकृष्ण परमहंस ने हिन्दू धर्म में एक नयी उम्मीद जगाई।

रामकृष्ण के जीवन में अनेक गुरु आये पर अन्तिम गुरुओं का उनके जीवन पर बहुत प्रभाव पड़ा। एक थी भैरवी जिन्होंने उन्हें अपने कापालिक तंत्र की साधना करायी और दूसरे थे श्री तोतापुरी उनके अन्तिम गुरु। गंगा के तट पर दक्षिणेश्वर के प्रसिद्व मंदिर में रहकर रामकृष्ण मां काली की पूजा किया करते थे। गंगा नदी के दूसरे किनारे रहने वाली भैरवी को अनुभूति हुई कि एक महान संस्कारी व्यक्ति रामकृष्ण को उसकी दीक्षा की आवश्यकता है। गंगा पार कर वो रामकृष्ण के पास आयी तथा उन्हें कापालिक दीक्षा लेने को कहा। रामकृष्ण ने भैरवी द्वारा बतायी पद्धति से लगातार साधना कर मात्र तीन दिनों में ही सम्पूर्ण क्रिया में निपुण हो गये।

रामकृष्ण के अन्तिम गुरु तोतापुरी थे जो सिद्ध तांत्रिक तथा हठ योगी थे। उन्होने रामकृष्ण को दीक्षा दी।

डॉ सुधानंद झा ज्योतिषी द्वारा प्रस्तुत दैनिक राशिफल

डॉ सुधानंद झा

१ मेष राशि-- आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।
पूर्ण राजयोग का दिन है आज आपका चारों ओर से सफलता की पूरी संभावना एक एक अच्छे ग्रह आपके लिए अनुकूल स्थिति में है

२ वृष राशि -- हर प्रकार से संतोषजनक सफलता मिलेगी।
एक मयार्दापूर्ण जीवन तथा बड़ी सफलता आप आज प्राप्त करने जा रहे हैं।

३ मिथुन राशि -- असाधारण सफलता मिलेगी।
विघ्न बाधाओं पर विजय मिलेगा। आपका आज का दिन व्यापार में अपार सफलता देगा। आपका काम सफल होगा आपने जो योजना बनाई है बहुत हद तक सफल होगा।

४ कर्क राशि -- चंचलता को रोकिए।
बहुत सुंदर दिन बहुत सुंदर सफलता एक के बाद एक अच्छी सूचनाओं मिलेंगे व्यवसाय में सफलता मिलेगा और अपने आप पर विश्वास होगा आज आपको कि आप भी अच्छी सफलता प्राप्त कर सकते हैं

५ सिंह राशि - गलत सत्संग से दूरी बनाकर रखिए।
बहुत सुंदर दिन और उतना ही सुंदर सफलता मिलेगी आपको आज सहज रूप में रहिए अपनी सभ्यता अपने बुद्धिमत्ता और अपने संपत्ति का अच्छा उपयोग कीजिए

६ कन्या राशि -- भावुकता पर नियंत्रण कीजिए।
आज का दिन आपके लिए अनुकूल स्थिति लेकर आया है आप सफल होते जाएंगे। आपकी आमदनी भी बढ़ती जाएगी।

७ तुला राशि -- सफलता और असफलता दोनों का संयोग है आज।
आज आपको उतार चढ़ाव का सामना करना तो पड़ेगा किंतु सफलता इतनी मिलेगी आपको बड़ा आनंद आएगा अपने संचित पर नियंत्रण कीजिए

८ वृश्चिक राशि -- सम्पूर्ण भाग्योदय की संभावना है।
पूर्ण राजयोग का लाभ लीजिए आज भारी-भारी सफलता मिलेगी जहां-जहां आपको असफलता मिलती जा रहे थे आप घबरा गए थे अपने आशा छोड़ दिया था आज ग्रहण के अनुकूल स्थिति से सब कुछ सफलता में बदल जाएगा

९ धनु राशि --व्यापार में लाभ होगा।
आज का दिन आपके लिए सामाजिक पारिवारिक और विभागीय दृष्टिकोण से पूर्ण सम्मानजनक होगा व्यापार में व्यापार सफलता है व्यवसाय की गति बढ़ेगी आपकी आर्थिक स्थिति सुधीर होगी

मकर राशि -- कई प्रकार से आय के नये स्रोत मिलेंगे।
बहुत सुंदर सफलता बहुत सुंदर दिन मकर राशि वालों के लिए आज का दिन भाग्योदय का दिन है आपको धन की प्राप्ति होगी सम्मान की प्राप्ति होगी आपका प्रभाव बढ़ेगा

११ कुम्भ राशि --सुंदर सुखद जीवन आज।
आप अपने व्यवसाय में भारी सफलता प्राप्त करने जा रहे हैं घर परिवार भौतिक सुख जमीन जायदाद परिवहन छोटे-मोटे कम से लेकर के बड़े-बड़े काम आज आप हर क्षेत्र में सफल होने जा रहे हैं

१२मीन राशि --आर्थिक दृष्टिकोण से सफल दिन।
बहुत सुंदर दिन है आपका। देखते-देखते में आप की सफलता आज आपके शहर आपके राज की सीमा से बाहर जा सकते हैं। घर और निकट दोनों जगह आप सफल होने जा रहे हैं।

डा सुधा नन्द झा ज्यौतिषी
जमशेदपुर झारखंड मो एवं वाट्सअप नंबर 9430336503

यूसिल की चाईबासा रीजन का 62वा मेटल माइंस खान सुरक्षा सप्ताह 2024 का हुआ समापन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

तीन स्तर पर खान सुरक्षा पर ध्यान देने की जरूरत:उज्वल थाह

जादूगोड़ा :यूसिल की नरवापहाड़ भाभा आडिटोरियम में चाईबासा रीजन का 62वा मेटल माइंस खान सुरक्षा सप्ताह 2024 का आज समापन हो गया।इधर इस मौके पर नरवा पहाड़ भाभा बाबा ऑडिटोरियम में भव्य समापन समारोह आयोजित की गई।जिसकी मेजवानी भारत सरकार की संस्थान यूसिल ने की।इस मौके पर समारोह के मुख्य अतिथि सह डायरेक्टर जनरल ऑफ माइंस सेफ्टी (चाईबासा) उज्जवल थाह ने सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा को लेकर अपने सुझाव दिए तथा कहा कि मेटल माइंस में तीन स्तर पर खान सुरक्षा पर ध्यान देने की जरूरत ताकि शून्य दुर्घटनाओं का लक्ष्य जहां पूरा होगा वही एक सेफ्टी फेल होने पर अन्य बचाव के तरीके काम आ सकेंगे।जिससे माइंस दुर्घटना में मानव हानि को रोका जा सकता है।अपने संबोधन में उन्होंने नारी शक्ति के विकास व उसकी प्रगति की वकालत की। महिला माइंस रेस्क्यू टीम की राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कार हासिल

करने पर उन्होंने गर्व महसूस किया व उनकी हौसला अफजाई की। इस दौरान उन्होंने माइंस के अंदर सर्वश्रेष्ठ तकनीक का इस्तेमाल, महिलाओं को रोजगार, विस्फोटक सामग्री के संभालने के तरीके, संवेदक के अधीन कार्य कर रहे ठेका कर्मियों के बीच एस ओ पी की उपयोगिता पर अपने विचार रखे। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे डिप्टी डायरेक्टर माइंस सेफ्टी डॉक्टर एसएस प्रसाद(चाईबासा रीजन) ने कहा कि सेफ्टी सिस्टम पुख्ता होने से ही माइंस में बेहतर महौल में कार्य संभव है।इसके साथ ही सभी प्रकार की सुरक्षा प्रशिक्षण पर भी उन्होंने जोर दिया। इस मौके पर यूसिल के अध्यक्ष सह प्रबंध निर्देशक डॉक्टर संतोष कुमार सतपति ने माइंस सुरक्षा को और आगे बढ़ाने पर जोर दिया।उन्होंने आगे कहा कि यूसिल एक बेहतर कम्पनी है व सर्वश्रेष्ठ तकनीक से चलता है।

अंत में कंपनी के तकनीकी निर्देशक मनोज कुमार ने कहा कि दुनिया की कई माइंस ए आई तकनीक से चलती है उससे बेहतर तकनीक अपने यूसिल में लानी है। कार्यकम के अंत में तुरामडीह यूरेनियम ग्रुप माइंस के महाप्रबंधक चंचल मन्ना,डिप्टी जनरल माईंस सेफ्टी (चाईबासा) आर आर मिश्रा ,वित्त निर्देशक विक्रम केसरी दास, जादूगोड़ा ग्रुप ऑफ माइंस के महाप्रबंधक मनोरंजन महाली ने भी संबोधित किया तथा माना कि यूसिल माइंस सुरक्षा में अव्वल है और आगे भी रहेगा।अंत में धन्यवाद ज्ञापन 62 वा खान सुरक्षा सचिव सह आई एस ओ हेड के के राव ने दिया।

भारतीय आदिवासी भूमिज समाज झारखंड सरकार से खफा

राष्ट्र संवाद संवाददाता

भूमिज भाषा को पाठ्यक्रम में शामिल करे सरकार: दिनेश सरदार

जादूगोड़ा :भारतीय आदिवासी भूमिज समाज झारखंड सरकार से खफा चल रही है।इधर जादूगोड़ा रकणी मंदिर में भारतीय आदिवासी भूमिज समाज की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष दिनेश सरदार ने की।इधर बैठक में आदिवासी जनजाति भूमिज समाज के लोगों ने हेमंत सरकार द्वारा भूमिज समाज की अनदेखी व उसे अधिकार से वंचित किए जाने को लेकर नाराजगी जाहिर की व अपने गुस्से की इजहार किया । यहां बताते चुके कि झारखंड के पूर्वी सिंहभूम जिले का पोटका विधानसभा एक मात्र भूमिज बहुल सीट है। उनकी अपनी अलग परंपरा व भाषा है।झारखंड सरकार भूमिज भाषा को द्वितीय राजभाषा का दर्जा तो दिया लेकिन भूमिज भाषा को पढ़ाई को पाठ्यक्रम में शामिल नहीं किया गया है। टेट परीक्षा में भी पूर्व में मिले भूमिज कोड को हटा दिया है। पेसा कानून के प्रारूप में ही भूमिज भाषा को जगह नहीं दी गई है।जिसका भूमिज समाज विरोध जता रहा है भूमिज समाज अपने स्वतंत्रता सेनानियों के इतिहास को पाठ्य क्रम में शामिल करने को वर्षों पुरानी मांग भी अटकी हुई है। बहरहाल देखना यह ही भूमिज समाज की मांगों को झारखंड सरकार कितनी संजीदगी से लेता है या उसे आंदोलन के लिए बाध्य करती है।यह गौर करने वाली बात होगी।

बैठक ने शामिल लोग

जादूगोड़ा : इस बैठक में भारतीय आदिवासी भूमिज समाज की ओर से भारतीय अदिवासी भूमिज समाज के राष्ट्रीय महासचिव दिनेश सरदार, केन्द्रीय संगठन सचिव देवनाथ सिंह सरदार, सचिव अबोध सिंह, केन्द्रीय सदस्य विमल भूमिज, मनोहर सिंह, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष जय सिंह भूमिज, प्रवक्ता श्री युधिष्ठिर सरदार , प्रदेश के अध्यक्ष रथु सिंह, सचिव शुभंकर सिंह, जिला अध्यक्ष सुसेन सिंह प्रखण्ड सचिव रविन्द्र नाथ सिंह,सोनाराम भूमिज, गुमान सिंह भूमिज, छुटू सिंह, रवींद्र सिंह सरदार, अभिमन्यु सरदार, लखीपदो सिंह, रामेश्वर सरदार शामिल हुए।

आईआईएम बोध गया में पूर्वी सिंहभूम के 6 मुखिया को मिला प्रशिक्षण

राष्ट्र संवाद संवाददाता

मुखियो ने सीखा डिजिटल एवं वित्तीय प्रबंधन का गुर, पंचायतें होंगी सशक्त

भारतीय प्रबंधन संस्थान बोधगया में पूर्वी सिंहभूम के 6 मुखिया ने 5 दिवसीय ट्रेनिंग में भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नेतृत्व कौशल को सशक्त बनाना, प्रशासनिक दक्षता बढ़ाना ओर सतत विकास लक्ष्य को प्रोत्साहित करने का जानकारी देना था। विशेषज्ञ प्रोफेसरों ने वित्तीय प्रबंधन, ई गवर्नेस, नेतृत्व कौशल, संवाद कौशल, सामुदायिक भागीदारी, कृषि की नई तकनीकी, प्रोजेक्ट बनाना, डिजिटल तकनीक का उपयोग कर प्रशासनिक काम को आसान करने के लिए अवगत कराया। प्रशिक्षण कार्यशाला में केरूआडूंगरी पंचायत के युवा मुखिया कान्हु मुर्मू, पश्चिम हालूदबनी मुखिया सुमन सिरका, पूर्वी कीताडीह मुखिया जोबोंर्थ्र, मध्य २१नङ्गौ मुखिया श्रीमती बसंती गुप्ता,मौभंडर पंचायत मुखिया निताई मुंडा, लावा पंचायत मुखिया कान्हु राम बेसरा शामिल हुए।

प्रशिक्षण के दौरान ग्राम पंचायत प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, सतत विकास लक्ष्य की रणनीतियां, डिजिटल प्रबंधन, सामुदायिक भागीदारी को लेकर विस्तृत जानकारी दिया गया। जमशेदपुर के लिए प्रस्थान किए।

कान्हु मुर्मू मुखिया यह हमारे लिए बहुत ही उपयोगी रहा है, हमें पंचायत के लिए वित्तीय प्रबंधन , प्रशासनिक पारदर्शिता पर महत्वपूर्ण जानकारी मिला। अब हम अपने गांव में बेहतर ढंग से लागू कर सकेंगे। झारखंड सरकार को बहुत बहुत धन्यवाद।

निताई मुंडा मुखिया : आई आई एम बोधगया का यह कार्यक्रम आधुनिक प्रबंधन तकनीकों से अवगत कराने का शानदारी अवसर था ।

डिजिटल प्रबंधन ओर पंचायत कार्यों में टेक्नोलॉजी के उपयोग पर मिले जानकारी बहुत ही लाभदायक होगी ह्ल

2 मार्च को वरिष्ठ नागरिकों का पैदल चलो प्रतियोगिता

राष्ट्र संवाद संवाददाता

प्रतिभागियों को मिकेगा चिर यौवन सम्मान

अभियान फॉर ए बेटर टुमॉरो की एक बैठक ब्रज किशोर दास की अध्यक्षता में राजस्टेट मैदान में सम्पन्न हुई। बैठक में राजस्टेट के सदस्यगण और अंकुर क्लब राजस्टेट के सदस्यगण भी शामिल हुए। बैठक में निर्णय लिया गया कि चिर यौवन सम्मान 2025 के लिए वरिष्ठ नागरिकों के लिए पैदल चाल प्रतियोगिता महिला एवं पुरुषों के लिए 2 मार्च 2025 को आयोजित होगा। पुरुषों के लिए सरयुग पासवान चिर यौवन सम्मान और महिलाओं के लिए लक्ष्मी देवी चिर यौवन सम्मान दिया जाएगा।

पुरुषों के लिए 60 साल के बाद के 9 समूह होंगे एवं महिलाओं के 55 साल के ऊपर के 4 समूह होंगे। इस बार प्रतियोगिता राजस्टेट मैदान में आयोजित होगा, जिसमें अंकुर क्लब और राजस्टेट क्लब के भी सहयोगी होंगे। बैठक में आयोजन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पे चर्चा की गई और सबका दायित्व निर्धारण किया गया। प्रतियोगिता का प्रारंभ 60 साल के ऊपर के वरिष्ठ नागरिकों लिए सर्कस मैदान दहीगोड़ा से होगा, जो राजस्टेट मैदान में आकर समाप्त होगा । बाकी के महिला और पुरुषों की सभी प्रतियोगिताएं राजस्टेट मैदान में ही संपन्न होगी।

निर्णय लिया गया कि ज्यादा से ज्यादा वरिष्ठ नागरिक प्रतियोगिता में शामिल हों इसके लिए सभी लोग सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।

बैठक में निर्मल बंसल, ब्रजकिशोर दास, प्रताप अधिकारी, राकेश कुमार शर्मा और इंदल पासवान के साथ राजस्टेट क्लब और अंकुर क्लब के सदस्य काशीनाथ नमाता, आकाश नमाता, शांतनु नमाता, बापन नमाता, दीपांकर दत्ता, ईश्वर नमाता, राजू नमाता,ऋतुराज नमाता, सोन्तू नमाता,नारायण नमाता, आशीष ओझा, घासी नमाता, शिवचरण नमाता, बाबू नमाता आदि लोग उपस्थित थे ।

कार्यकर्ता जितने मजबूत होंगे पार्टी उतनी ही मजबूत होगी: चंपई सोरेन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया ।कार्यकर्ता ही किसी पार्टी के रीढ़ होते हैं। कार्यकर्ता जितने मजबूत होंगे पार्टी उतनी ही मजबूत होगी। उपरोक्त बातें भाजपा की ओर से गांजिया बराज मैदान में आयोजित कार्यकर्ता मिलन समारोह सह वनभोज के अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री सह विधायक चम्पाई सोरेन ने कही। आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि कार्यकताओं के समर्पण के बिना पार्टी का कोई वजूद नहीं रहता है। कहा कि अगले चुनाव में दिल्ली की तरह बिहार और झारखण्ड में भी एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने कार्यकताओं को भाजपा की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाते हुए जनहित के कार्यों में जुट जाने का निर्देश दिया। समारोह को भाजपा नेता बास्को बेसरा, सीके गोराई, जिलाध्यक्ष उदय सिंहदेव आदि ने भी सम्बोधित किया। इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष अमरेश गोस्वामी, पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अमित सिंहदेव, अजीत सिंह, सुनीता मिश्रा, रश्मि साहू, बीटी दास, दीपक मंडल, दीपक नायक, राकेश सिंह, प्रमोद पाठक, पूर्व पार्षद ममता बेज समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

समारोहों के आयोजन से आपसी संबंध होते हैं मजबूत- कृष्णा बास्के

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गम्हरिया।कांड्रा के पदमपुर में पावर प्रोजेक्ट विस्थापित प्रभावित स्वावलम्बी श्रमिक सहयोग समिति की ओर से मिलन समारोह सह वनभोज का आयोजन किया। इस मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित समिति के अध्यक्ष कृष्णा बास्के ने कहा कि इस प्रकार के मिलन समारोह व अन्य कार्यक्रमों के आयोजन से आपसी संबंध मजबूत होते है। लोगों को आपस में मिलने-जुलने का एक अच्छा अवसर मिलता है। समारोह में प्रखंड के हरिहरपुर, श्रीरामपुर, पदमपुर, धातकीडीह आदि चार गांवो के जमीनदाता शामिल हुए। इस दौरान समिति के अध्यक्ष कृष्णा बास्के ने समिति की उपलब्धियों को बताते हुए कहा कि समिति के प्रयास से अबतक 160 लोगो की स्थाई नौकरी के साथ साथ कुल 280 लोगों को कंपनी में रोजगार उपलब्ध कराया गया है। साथ ही, जमीनदाताओं को उनके 99 प्रतिशत जमीन का मूल्य भुगतान कराया गया है। इसके अलावा समिति कर्मचारियों के वेतन बढ़ोतरी, ग्रेट रिवीजन आदि के लिए हमेशा तत्पर रहती है। उन्होंने कहा कि शेष जमीनदाताओं के आश्रितों की नौकरी के लिए समिति हमेशा तत्पर रहती है, जिसके तहत 2024 में 12 जमींदाताओ को नौकरी दिलाया गया। इस मौके पर समिति के संरक्षक रामदास टुडू ने कहा कि हमारी समिति विस्थापितों की हित के लिए हमेशा तत्पर है। समिति विस्थापितों के हक और अधिकार के लिए सदा आवाज उठाती रही है जो आगे भी जारी रहेगा। इस मौके पर समिति के सचिव गौतम महतो, सक्रिय सदस्य राजेश भगत, देवी लाल बेसरा, विनोद महतो, बिरमल टुडू, इन्द्रो मुर्मू, रविन्द्र हाँसदा, गोपाल हेम्ब्रम, अशोक महतो, गोविन्द माझी, सुरेन बास्के, विजय बास्के, बैजनाथ मार्डी, बिरधान बास्के, अरूण महतो, अनिता महतो समेत काफी संख्या में विस्थापित व प्रभावित जमीनदाता उपस्थित थे।

श्री ब्रहर्षि विकास मंच की ओर से 14 वाँ रक्तदान शिविर का आयोजन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

श्री ब्रहर्षि विकास मंच की ओर से नेता जी सुभाष पार्क स्थित समुदायिक भवन में 14 वाँ रक्तदान शिविर का सफल आयोजन सम्पन्न हुआ ।

कार्यक्रम का प्रारंभ भगवान श्री परशुराम जी एवं प्रख्यात किसान नेता सह स्वतंत्रता सेनानी स्वामी सहजानंद सरस्वती जी के चित्र पर माल्यार्पण एव दीप प्रज्वलन का कार्यक्रम का भुभारंभ हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक श्री अरबिंद सिंह नागरिक समन्वय समिति के अध्यक्ष श्री प्रसिद्ध नारायण सिंह समाज सेवी रविन्द नाथ चौवे एशिया के पूर्व अध्यक्ष श्री संतोष खेतान समाजसेवी ओमप्रकाश (अधिवक्ता) इंटक नेता के पी तिवारी कांग्रेस नेता शुशील सिंह, राणा सिंह, पूर्व पार्षद नीतू शर्मा, पूर्व पार्षद सुधीर चौधरी, श्री वि वरजो राम हास्दा, डा० नथुनी सिंह, क्षत्रिय महासभा के राजकुमार सिंह, अवधेश सिंह, ब्रहर्षि विकास मंच के जमशेदपुर के अध्यक्ष श्री रामप्रकाश पाण्डेय , रामउदय शर्मा, बस अर्नस संगठन , भिक्षाविद श्री अंगद तिवारी, मजदूर नेता श्री अमर नाथ सिंह, राष्ट्र संवाद के संपादक देवानंद सिंह जी, लहरचक्र पत्रिका के कुमार मनीष तिवारी, ब्रहर्षि विकास मंच के जमशेदपुर ईकाई के, गोलमुरी, बारीडीह, कदमा, सोनारी सहित सभी क्षेत्रिय समिति के पदाधिकारी कार्यकर्ता, भाजपा नेता निशांत कुमार, अमितशर्मा, धर्मेन्द्र सिंह, भाजपा नेता धनुधर त्रिपाठी, मनोज ठाकुर, जद यू के सत्यप्रकाभ भाजपा नेता सुनील श्रीवास्तव, प्रदुषण नियंत्रण पर्षद के कार्यपालक अभियंता रामप्रवेश कुमार, जमशेदपुर के अनुभाजन पदाधिकारी मृत्युन्जय कुमार सहित कई अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

रक्त दान कां कार्यक्रम प्रातः ९:०० बजे से लेकर ५:०० बजे तक हुआ । जिसे सफल बनाने के लिए श्री ब्रहर्षि विकास मंच के श्री रामेश्वर शर्मा, अवधेश्वर ठाकुर, श्री चन्द्रमा पाण्डेय, राजीव मोहन सिंह, अजय कुमार सिंह, विनीत कुमार सिन्हा, गणेश प्रसाद सिंह, मनोज चौधरी, रक्तदान कार्यक्रम के संयोजक सतीश शर्मा, श्रीराम ठाकुर, अर्जुन शाही, जैनेन्द्र कुमार मुन्ना, हरेन्द्र तिवारी, राजकुमार, कृष्णा सिंह, कृष्णा मिश्रा, कृष्ण गोपाल पिंटू, शुशिल कुमार मिश्रा, श्याम ज्ञानी शाही, राजेश चौधरी, शभूनाथ, संजय मिश्रा, निर्मल शर्मा, विनय तिवारी, सुनिल तिवारी, रंजित शाण्डिलिय, कुमुद रंजन, प्रमोद सिंह, मुकेश जी, रविन्द्र सिंह, सुनिल सिंह, गौरी शंकर, नवल किशोर सिंह, निरज कुमार, श्री रामकुमार शर्मा, राजीव मिश्रा, मुकेश कुमार सिंह, सुनिल कुमार चौधरी सहित सैकड़ो कार्यक्रताओ ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योग्यदान दिया ।

कार्यक्रम में जमशेदपुर बल्ड बैक एवं प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन का महत्वपूर्ण सहयोग रहा जिसके डा० श्रृष्टि, टेक्निशियन रवि शंकर, चंदन कुमार, विशाल मोहन मंडल, अजय कुमार, रत्नेश कुमार, वही प्रतीक संघर्ष फाउंडेशन के अरिजीत सरकार, कुमारेश हाजरा, अजीत कुमार भगत, दिपक मिश्रा, बसंत कुमार शर्मा, अवधेश कुमार वर्मा, सौरव चटर्जी, श्याम शंकर, आदि का महत्वपूर्ण योग्यदान रहा ।

इस कार्यक्रम में तीन से अधिक लोगों ने पंजीयन कराया जिसमें दौ सौ बावन लोगों ने चिकित्सय जाँच के बाद अपना रक्तदान किया

सभी रक्तदाताओं को संस्था कि ओर से प्रमाण पत्र स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया वही सम्मानित अतिथियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापण की राम ठाकुर एवं भोगेन्द्र नाथ झा ने संयुक्त रूप से किया ।

कार्यक्रम में पूर्व श्री राम ठाकुर अध्यक्ष ने बताया कि यह आयोजन लगभग 2001 से आरंभ होकर 2015 तक लगातार होता रहा है कुछ वर्ष और होने के पश्चात कोरोना काल के कारण 3 वर्षों तक यह रक्तदान शिविर आयोजन नहीं किया जा सका। कार्यक्रम का उद्देश्य है कि समाज के सभी वर्गो को रक्त की आवश्यकता पड़ती रहती है अतः ब्रह्मर्षि विकास मंच की ओर से सभी सदस्यों एवं आम जनता को भी रक्तदान समय पर महिया हो सके इसके हेतु जमशेदपुर ब्लड बैंक के सहयोग से मिलकर प्रतिवर्ष रक्तदान का आयोजन किया जाता है।

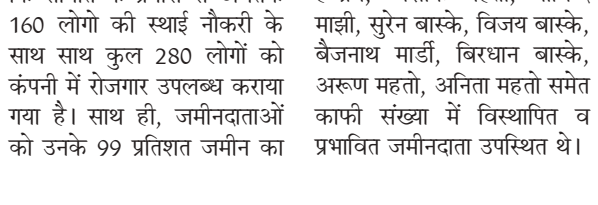

सार-संक्षेप

मुसाबनी में मनाया गया ठाकुर अनुकूल चन्द्र का 137 वां जन्मोत्सव

राष्ट्र संवाद संवाददाता

मुसाबनी :सत्संग केंद्र मुसाबनी के तत्वावधान में ब्लॉक एरिया मरिच झांपी मैदान में रविवार को श्री श्री ठाकुर अनुकूल चंद्र जी का 137 वॉ जन्मोत्सव समारोहपूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम में सेकड़ो की संख्या में श्री श्री ठाकुर के अनुयायी जुटे थे। इस अवसर पर भजन, प्रवचन सहित कई कार्यक्रम हुए। ऋत्विक और अनुयायी भी कार्यक्रम में भाग लेने पहुंचे थे। प्रार्थना, धर्म सभा, सांस्कृतिक कार्यक्रम,आनन्द बाजार, दीक्षा के अलावे कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए ।कार्यक्रम में मुख्य रूप में ऋत्विक गालूडीह से विश्वनाथ साधु, जमशेदपुर से दिलीप कुमार मिश्रा, गंगा प्रसाद सिंह ,विनोद साहू, अरुण मन्ना, सुदीप मंडल, बहरागोड़ा सुषेण पात्र, रास बिहारी मंडल शाहिद घाटशिला मुसाबनी आदि क्षेत्र से भी कई गण्यमान्य लोग इस धार्मिक अनुष्ठान में शामिल होने पहुंचे थे।

इस अवसर पर प्रवचन में ऋत्विक गंगा प्रसाद सिंह ने कहा कि बिना गुरू ज्ञान के जीवन में सफलता हासिल नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि मनुष्य के पास ज्ञान की कमी नहीं होती है। इसके बवजूद भी उन्हें सफलता नहीं मिल पाती है क्योंकि उनके पास गुरू का मार्गदर्शन नहीं होता है। जीवन से सफल होने के लिए मार्गदर्शन बहुत जरूरी है। कार्यक्रम में कई कीर्तन मंडलियों द्वारा मनमोहन संगीत प्रस्तुत किया गया। धर्म सभा में काफी संख्या में महिला पुरुष व बच्चे शामिल थे।

कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुसाबनी सत्संग केंद्र के रविंद्र नाथ घोष सहित सैकड़ो श्रद्धालुओं का अहम योगदान रहा ।

झारखंड कांग्रेस के प्रभारी केभ राजू से मिले प्रदेश यूथ कांग्रेस के उपाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल

राष्ट्र संवाद संवाददाता रामगोपाल जेना

चक्रधरपुर :युवा कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सौरभ अग्रवाल ने झारखंड के नव मनोनीत प्रभारी के राजू से दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में शिष्टाचार भेंट किया। सौरभ अग्रवाल ने प्रदेश प्रभारी को युवा कांग्रेस की सांगठनिक क्रियाकलापों से अवगत करवाते हुए कहा कि युवा कांग्रेस संगठन पूरे प्रदेश भर पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान ही सक्रिय होकर इंडिया गठबंधन के सभी उम्मीदवारों को विजयी बनाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाया था। झारखंड में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने के बाद भी युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्रों में जनता की सेवा में लगे हुए हैं।

प्रदेश प्रभारी के राजू ने कहा जल्द ही युवा कांग्रेस के प्रदेश और जिला पदाधिकारियों के साथ बैठक करके आगे सांगठनिक रणनीति बनाई जाएगी और पूर्व व वर्तमान के सभी सक्रिय युवा कांग्रेस के कार्यकताओं को संगठन व बोर्ड, निगम और आयोगों में उचित स्थान दिया जाएगा।

जन चेतना समिति का 17वां रक्तदान शिविर सम्पन्न, 86 यूनिट रक्त संग्रहित

राष्ट्र संवाद संवाददाता

चांडिल (कपाली): तामुलिया स्थित आस्था वैली क्लब हाउस परिसर में जन चेतना समिति द्वारा आयोजित 17वें रक्तदान शिविर में कुल 86 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ईचागढ़ की विधायक सविता महतो, मुख्यमंत्री के मामाजी चारु किस्कू, मानवाधिकार संघ के भीम सिंह, जीप सदस्य प्रतिनिधि सह पूर्व जिला परिषद सदस्य ओम प्रकाश लायक और हाइवे सेफ्टी एंड वेलफेयर कमिटी के अध्यक्ष दिलीप महतो ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के संरक्षक अजय कुमार ने की। इस मौके पर विधायक सविता महतो ने रक्तदान के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि रक्तदान से न केवल स्वास्थ्य लाभ होता है, बल्कि यह एक महादान है, जिससे कई जिंदगियां बचाई जा सकती हैं। उन्होंने जन चेतना समिति द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की भी सराहना की।मौके पर उन्होंने विधायक को तामुलिया से परडीह को जोड़ने वाला जर्जर पुलिया को देखते हुए नए पुलिया का निर्माण ओर नगर परिषद क्षेत्र बनाने का ज्ञापन सौंपा.

रक्तदान करने वाले सभी दाताओं का हौसला बढ़ाने के लिए उन्हें प्रशस्ति पत्र और ब्रांडेड वॉटर बॉटल प्रदान किए गए। संस्था के संरक्षक अजय कुमार ने कहा कि रक्तदान एक अमूल्य सामुदायिक सद्भावना का प्रतीक है, क्योंकि दाता को यह पता नहीं होता कि उसका रक्त किस जरूरतमंद की जान बचाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि समिति द्वारा वर्ष में दो बार रक्तदान शिविर आयोजित किए जाते हैं, साथ ही कपड़ा और कंबल वितरण जैसे प्रकल्प भी जारी हैं।

इस अवसर पर झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलू महतो, कृष्णकिशोर महतो, अरुण टुडू, अध्यक्ष एस.एन. पाठक, सचिव संतोष कुमार श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष नवीन सिंह, नागेश्वर शर्मा, रास बिहारी मंडल, संतोष शर्मा, राजेश सिंह, परवीन कुमार, मधुसूदन राव और रिंकू सिंह समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

शाहिद दिलीप बेसरा की 43वीं जयंती पर शिक्षा मंत्री ने किया माल्यार्पण

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गोपालपुर रेलवे ओवरब्रिज के समीप शाहिद दिलीप बेसरा की 43वीं जयंती के अवसर पर रविवार की दोपहर 12 उनकी प्रतिमा पर झारखंड सरकार के शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन सहित अन्य गणमान्य लोगों ने माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। इस मौके पर मंत्री रामदास सोरेन ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज से 43 वर्ष पूर्व बेनासोल गांव में शाहिद दिलीप बेसरा का जन्म हुआ था। उनके पिता सिंगराय बेसरा एवं माता फूलमानी बेसरा धन्य है कि एक बेटे को देश की सुरक्षा में भेज दिया था जो पाकिस्तानी आतंकवादी से लोहा लेते हुए कारगिल के हाय में वीरगति को प्राप्त किए थे। शाम में शाहिद के गांव बेनासोल में कई कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस मौके पर एसडीएम सुनील चंद्र, एसडीपीओ अजीत कुजूर थाना प्रभारी मधुसूदन दे सहित काफी संख्या में लोग शामिल थे।

जमशेदपुर में स्काई ड्राइविंग फेस्टिवल 2025 का शुभारंभ

राष्ट्र संवाद संवाददाता

स्काई डाइविंग फेस्टिवल का आयोजन होना ज़िला के लिए गर्व की बात : उपायुक्त

झारखंड पर्यटन के तत्वावधान में स्काई ड्राइविंग फेस्टिवल 2025 का शुभारंभ हुआ। कला संस्कृति, पर्यटन, खेलकूद एवं युवा मामले विभाग के मंत्री श्री सुदिव्य कुमार ने फ्लैगऑफ कर डाइविंग फेस्टिवल का शुभारंभ किया।
सोनारी एयरपोर्ट जमशेदपुर में इस अवसर पर माननीय मंत्री ने कहा झारखंड सरकार पर्यटन विभाग साहसिक खेल तथा पर्यटन के नए क्षेत्र में काम करने के लिए कृत संकल्पित है। झारखंड राज्य न केवल खनिज संपदा में समृद्ध है बल्कि यहां की प्राकृतिक सुंदरता, जैव विविधता (इकोलॉजी), विविध धार्मिक-सांस्कृतिक-ऐतिहासिक विरासत तथा साहसिक खेलों एवं पर्यटन की अपार संभावना है।

राज्य सरकार डीजीसीए के गाइडलाइन एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप जमशेदपुर में स्काई डाइविंग का आयोजन कर रही है। नई संभावनाओं के साथ नए स्पॉट की पहचान कर राज्य में धार्मिक पर्यटन, प्राकृतिक पर्यटन एवं

साहसिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है। पर्यटन में नई संभावनाओं के तहत किरीबुरू में खनन टूरिज्म, स्काई डाइविंग, मोटर /पाराग्लाइडिंग, रॉक क्लाईबिंग एवं अन्य साहसिक खेलों को राज्य सरकार बढ़ावा देने का काम करेगी। पर्यटन के विकास से राज्य के स्थानीय युवाओं को रोजगार के साथ-साथ पर्यटन के क्षेत्र में राज्य को नई पहचान मिलेगी। पर्यटन नीति से नए निवेश तथा राज्य का राजस्व भी बढ़ेगा।
पर्यटन सचिव श्री मनोज कुमार ने कहा जमशेदपुर में 16 से 23 फरवरी 2025 7 दिनों तक स्काई डाइविंग सोनारी एयरपोर्ट में हो रहा है।
डीजीसीए के दिशा निर्देश एवं सुरक्षा मानकों के अनुसार यह आयोजन किया जा रहा है। ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से प्रतिभागी स्काई डाइविंग फेस्टिवल में शामिल हो सकते हैं।
ज़िला दंडाधिकारी सह उपायुक्त श्री अनन्य मित्तल ने इस अवसर पर कहा जमशेदपुर में स्काई डाइविंग फेस्टिवल 2025 का आयोजन होना ज़िला के लिए गर्व की बात है। लोगों का इस आयोजन के लिए उत्साह देखा जा रहा है।
इस अवसर पर पर्यटन मंत्री, पर्यटन विभाग के सचिव के अलावा पर्यटन निदेशक श्रीमती अंजली यादव, उपायुक्त श्री अनन्य मित्तल, वरीय पुलिस अधीक्षक श्री कौशल किशोर, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्री अनिकेत सचान, अनुमंडल पदाधिकारी श्रीमती शताब्दी मजूमदार, सिटी एसपी श्री कुमार शिवशीष सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

पश्चिम विधानसभा विधायक प्रतिनिधि धर्मेन्द्र प्रसाद द्वारा स्व. भागीरथ प्रसाद की स्मृति में आयोजित किया गया रक्तदान शिविर

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर पश्चिम विधानसभा के विधायक प्रतिनिधि धर्मेन्द्र प्रसाद ने अपने स्वर्गीय पिता भागीरथ प्रसाद की स्मृति में एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यह शिविर समाज सेवा की एक निरंतर परंपरा के रूप में हर साल आयोजित किया जाता है, जिससे समाज में मानवता की भावना को बढ़ावा मिलता है। इस साल भी इस शिविर में कई लोगों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया, जिसमें विशेष रूप से महिलाओं ने भी रक्तदान किया, जो समाज में जागरूकता और प्रेरणा का संकेत है।धर्मेन्द्र प्रसाद ने कहा कि यह आयोजन उनके पिता की पुण्यतिथि पर हमेशा किया जाता है, और रक्तदान से न केवल

जरूरतमंदों की मदद होती है, बल्कि यह समाज में इंसानियत और मदद के जज्बे को भी बढ़ावा देता है। शिविर में रक्तदान करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद देते हुए, उन्होंने समाज में इस प्रकार के आयोजनों के महत्व पर भी जोर दिया।रक्तदान शिविर में एकत्र किया गया रक्त जमशेदपुर ब्लड सेंटर को सुपुर्द किया गया, जहां इसे जरुरतमंदों के लिए सुरक्षित रखा जाएगा। ब्लड सेंटर के अधिकारियों ने बताया कि समय-समय पर यह रक्त जरूरतमंद मरीजों को उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे कई जिंदगियों को बचाया जा सकेगा।
धर्मेन्द्र प्रसाद ने भविष्य में भी इस प्रकार के रक्तदान शिविरों के आयोजन का वादा किया, ताकि समाज में हर साल रक्तदान की अहमियत को समझा जा सके और इससे ज्यादा से ज्यादा लोग जुड़ सकें।

गोस्वामी समाज कल्याण समिति का वार्षिक वनभोज सह मिलन समारोह आयोजित

राष्ट्र संवाद संवाददाता

गोस्वामी समाज कल्याण समिति का वार्षिक वनभोज सह मिलन समारोह का आयोजन श्री सौरव गिरि जी की अध्यक्षता में सुर्य मंदिर सिदगोड़ा में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री ऐवं उड़ीसा के पूर्व राज्यपाल श्री रघुवर दास जी थे। विशेष अतिथी समाज सेवी प्रमोद मिश्रा जी थे। समाज के पदाधिकारी एवं सदस्यों ने समाज के लिए जमीन ऐवं कार्यालय भवन का मांग रघुवर दास जी के समक्ष रखा। रघुवर दास जी ने मांग को स्वीकार करते हुए उसे जल्द पूरा करने का आश्वासन दिये। कार्यक्रम में सूर्य

मंदिर के संरक्षक चन्दगुप्त सिंह भी उपस्थित हुए। समाज के अध्यक्ष शिवशंकर गिरि ऐवं अवधेश गिरि ने भी समाज के विकास ऐवं उत्थान के लिए सभी से आगे बढ़कर आने का आग्रह किऐ। समारोह में बच्चों ने भी खेल कूद में बढ चढ कर हिस्सा लिया। महिलाओ ने भी अपने मधुर गीत से समाज के लोगों का दिल मोह लिया। बच्चों को पुरस्कृत किया गया। समारोह में उपस्थित पदाधिकारी एवं सदस्य श्री जयदर्थ गोस्वामी, ललन गोस्वामी, केदार गोस्वामी, दिनेश गोस्वामी,अमित गिरि, अंकलेश गिरि, हरेन्द्र गोस्वामी, विध्या गोस्वामी,आजाद गिरि,सतीश पूरी, चन्द्रशेखर पर्वत, चंचल गोस्वामी,राजकुमार पर्वत, कुन्ती भारती, अनिता गिरि, अमृता गोस्वामी, प्रीति गोस्वामी, प्रभा गोस्वामी, ऐवं समाज के सभी गणमान्य सदस्य उपस्थित हुए।

रंभा शैक्षणिक संस्थान समूह में वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा के दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर किस्मत कुमार सिंह का आगमन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

रंभा शैक्षणिक संस्थान समूह में आज आरा से वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के दर्शनशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर किस्मत कुमार सिंह का आगमन हुआ। उन्होंने विद्यार्थियों को और व्याख्यातागणों को संबोधित किया ,साथ ही नैक डाटा और नैक पीयर टीम विजिट के लिए सभी को शुभकामनाएं दीं।
उन्होंने कहा कि रंभा शैक्षणिक संस्थान उत्तरोत्तर गुणात्मक शिक्षा की ओर आगे बढ़ रहा है और इससे झारखंड के ही नहीं बल्कि बिहार और आसपास के राज्य के

भी बहुत सारे विद्यार्थी लाभान्वित हो रहे हैं । यह बात इस संस्थान के भविष्य के लिए एक सुखद संकेत है । उन्होंने संस्थान के अध्यक्ष राम बचन जी और सचिव गौरव बचन जी से विस्तृत

दीपांजय श्रीवास्तव जी ,अध्यक्षा रंभा देवी और अन्य अतिथि भी उपस्थित थे। संस्थान के अध्यक्ष राम बचन जी ने कहा कि हमारे संस्थान में शिक्षाविद् का आगमन प्रायः होता रहता है ताकि हम सीखने की प्रक्रिया से जुड़े रहें और इससे विद्यार्थी और शिक्षक सभी शैक्षणिक गुणवत्ता की ओर अग्रसर होते रहें ।
बातचीत की और कहा कि भविष्य में भी कभी उनके सहयोग और सुझाव की आवश्यकता होगी तो वह अवश्य इस संस्थान के साथ जुड़ेंगे। इस अवसर पर उनके साथ दर्शन शास्त्र के प्रोफेसर डॉक्टर

मानगो सुंदरबन फेस टू गेट के पास मानव कंकाल मिलने से सनसनी

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर के मानगो थाना अंतर्गत सुंदरबन फेस टू गेट के आस पास रविवार की शाम स्थानीय लोगों ने मानव कंकाल को देखा. इसके बाद लोगों ने इसकी सूचना मानगो थाना को दी. मानगो थाना प्रभारी निरंजन कुमार अपने दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गए हैं. उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि यह कंकाल 2 से 3 साल पुराना है. कंकाल के अलावा मौके पर एक हॉफ पैंट भी पाया गया, जिसे देखकर लोग कह रहे यह बहुत

ज्यादा पुराना नहीं है. पुलिस कंकाल को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए भेजने में जुट गई है. थाना प्रभारी ने निरंजन कुमार कहा कि मौके से कंकाल के अवशेष और पेंट को जब्त किया गया है. देखने से लग रहा है किसी विक्षिप्त इंसान का यह कंकाल हो सकता है. थाना प्रभारी ने निरंजन कुमार कहा कि फॉरेंसिक जांच कर कंकाल का डीएनए किया जाएगा. जिसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी.

सनातन संस्कृति शक्ति संगठन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में कई प्रस्ताव पारित

राष्ट्र संवाद संवाददाता

₹सनातन संस्कृति शक्ति संगठन₹ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की एक बैठक झारखंड प्रदेश के जमशेदपुर शहर स्थित छोटा गोविंदपुर क्षेत्र में अवस्थित राजेंद्र इंटर महाविद्यालय के सभागार में क्रमशः प्रस्तावना, परिचय, प्रस्ताव और समापन जैसे चार सत्रों में सम्पन्न हुई।।
इस बैठक में संगठन के राष्ट्रीय संरक्षक डॉक्टर अशोक कुमार सिंह, राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ विजय प्रकाश, राष्ट्रीय संयोजक डॉ उमेश कुमार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धीरेन्द्र कुमार अग्रवाल, राष्ट्रीय महामंत्री मनी भूषण कुमार, राष्ट्रीय सचिव डॉ मनोज सोनी, राष्ट्रीय जन संपर्क पदाधिकारी कुमार

विश्वजीत, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती रीना सिंह, झारखंड प्रदेश संयोजक डॉ वेदिता सिंह के नेतृत्व में अन्य सक्रिय सदस्यों की उपस्थिति में संगठन की कार्य प्रणाली, सांगठनिक संरचना, भावी योजना जैसे मुद्दों पर गंभीरता से विस्तार पूर्वक चर्चा की गई।।
इस बैठक में भारतीय पुरातन सनातन संस्कृति के पुनरुत्थान हेतु सर्व सम्मति से तीन प्रस्तावना पारित की गई
भारत सरकार द्वारा सनातन बोर्ड का गठन करवाना।भारत के सभी मंदिरों को सरकारी नियंत्रण से बाहर कर स्थानीय स्वतंत्र इकाई का गठन करवाना। तथा
सनातन संस्कृति और धर्म जागरण के प्रति समर्पित साधु, सन्तों, मनीषियों को तत्काल प्रभाव से आर्थिक संरक्षण और सुरक्षा प्रदान करवाना

शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है, जिससे समग्र विकास हो सकता है: प्रभाकर सिंह कुलाधिपति

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर। शिक्षा ही एक ऐसा माध्यम है, जिससे समग्र विकास हो सकता है। सोना देवी मेमोरियल एजुकेशनल फाउण्डेशन ट्रस्ट मूल रूप से समाज के समग्र विकास की भावना से स्थापित है, जिसका उदाहरण यह नेत्र शिविर का आयोजन है, जिसमें समाज के वंचित एवं जरूरतमंदों को रौशनी देने का लक्ष्य है। उक्त विचार बागबेड़ा थाना चौक स्थित राम मनोहर लोहिया नेत्रालय में सोना देवी मेमोरियल एजुकेशनल फाउण्डेशन ट्रस्ट के संयोजन में स्व. सोना देवी की स्मृति में आयोजित नेत्र शिविर के ऑपरेशन सत्र का उद्घाटन करते हुए सोना देवी विश्वविद्यालय, घाटशिला के

संस्थापक एवं कुलाधिपति प्रभाकर सिंह ने व्यक्त किया। भारतीय रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम, राम मनोहर लोहिया नेत्रालय द्वारा द्रोपदी देवी चिमनलाल भालोटिया फैमिली ट्रस्ट, राजस्थान सेवा सदन तथा जिला ग्रामीण स्वास्थ्य समिति के सहयोग से आयोजित नेत्र शिविर के ऑपरेशन सत्र में डॉ. बी. पी. सिंह, डॉ. भारती शर्मा, डॉ. पूनम सिंह, डॉ. विवेक केडिया एवं उनके सहयोगी चिकित्सीय टीम ने 37 नेत्र रोगियों का ऑपरेशन एवं लेंस प्रत्यारोपण किया। शिविर के अवसर पर समाजसेवी चन्द्रमोहन सिंह, राकेश मिश्र मुख्य रूप से उपस्थित थें शिविर का संचालन रेड क्रॉस सोसाईटी, पूर्वी सिंहभूम के मानद सचिव बिजय कुमार सिंह द्वारा किया गया। ऑपरेशन सत्र को सफल बनाने में तकनीकी कार्यकताओं के साथ राजेश मोहन प्रसाद, अशोक कुमार घोषाल, अशोक सिंह, किशन अग्रवाल, आशीष सिंह, चन्दन सिंह, राधेश्याम कुमार, हीरालाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। सोमवार 17 फरवरी को ऑपरेशन कराये नेत्र रोगियों के आंखों की पट्टी खोलकर अंतिम जांच की जायेगी, जिसके पश्चात उन्हें आवश्यक दवा चश्मा के साथ आंखों की देखभाल की जानकारी प्रदान कर विदा किया जायेगा।

व्हाइट हाउस बिल्डिंग गोलमुरी में मैक्स डेंटल केयर हॉस्पिटल का हुआ उद्घाटन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

जमशेदपुर के गोलमुरी क्षेत्र के एसबीआई लाइन में व्हाइट हाउस बिल्डिंग के पहले तल पर में मैक्स डेंटल केयर के नाम से एक डेंटल हॉस्पिटल का उद्घाटन हुआ। जिसमें दांतों से संबंधित विभिन्न प्रकार की बीमारियों का इलाज किया जाएगा। यहां पर बच्चे बूढ़े और महिलाओं के लिए उचित दर पर इलाज की सुविधा उपलब्ध है। विशेष कर डेंटल इंप्लांट की समुचित व्यवस्था है। अभी तक जमशेदपुर में डेंटल इंप्लांट को लेकर किसी भी अस्पताल में इसकी समुचित व्यवस्था नहीं की

गई है पर मैक्स डेंटल केयर में इसकी आधुनिक और नई टेक्नोलॉजी के साथ व्यवस्था की गई है। यहां पर आधुनिक और नई मशीनों के साथ इलाज की जाती है। बहुत ही कम दर पर यहां पर दांतों की विभिन्न प्रकार की परेशानियों का निवारण किया जाता है। मैक्स डेंटल केयर के डॉक्टर प्रणव कुमार व मोहित प्रताप सिंह ने बताया कि हमारे यहां दांतों की किसी भी समस्या के लिए नई और अत्यधिक विधि से इलाज की जाती है। आम जनता को यहां पर आकर अपनी परेशानियों का जो की दातों से संबंधित हो उसका संपूर्ण निवारण प्राप्त होगा। हमारे यहां अच्छे से अच्छे डॉक्टर और एक्स-रे के साथ सभी तरह की जांच की व्यवस्था रखी गई है। दांतों से संबंधित जैसे रूट कैनाल, और दांतों से संबंधित सभी प्रकार की बीमारियों का आधुनिक तकनीक से इलाज किया जाता है।ताकि किसी भी मरीज को यहां पर आकर निराश होकर ना लौटना पड़े। डॉ मोहित ने बताया कि अभी 30% प्रतिशत छूट के साथ कोई भी मरीज इलाज कर सकता है। डॉ मोहित ने बताया कि सप्ताह के प्रत्येक रविवार को 10 से 2:00 बजे तक यहां पर सभी मरीजों को मुफ्त में जांच कर दांत निकाला भी जाएगा और उनका इलाज भी विधिवत किया जाएगा।

विधायक ने मंत्री का किया बुके देकर स्वागत

राष्ट्र संवाद संवाददाता

चांडिल झारखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री सुदिव्य कुमार का जमशेदपुर से रांची चांडिल डैम जाने के क्रम में फ दलोंगोडा कालीमंदिर में फूलों का गुलदस्ता देकर स्वागत किया. मौके पर पूर्व जीप सदस्य सह झामुमो सदस्य ओम प्रकाश लायक,झामुमो नेता दिलीप महतो, मामाजी चारु किस्कू, झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलू महतो प्रखंड अध्यक्ष कृष्ण किशोर महतो, शंकर लायक रिंकू सिंह आदि उपस्थित थे,. काली मंदिर से विधायक के साथ चांडिल

डैम पहुंचे जहां पर उन्होंने सुवर्ण रेखा डैम का निरीक्षण के दौरान पर्यटन विभाग केवसचिव, जिला उपयुक्त,चांडिल अनुमंडल पदाधिकारी, अंचल अधिकार आदि पदाधिकारियों के संग पर्यटन विकास की संभावना को तलाशा पर अवधिक निर्देश दिए. इस आवास नौका विहार से वोट द्वारा निरीक्षण किया.

सार-संक्षेप

झारखंड उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विनोद कुमार गुप्ता के निधन पर राजेश शुक्ल ने शोक जताया

राष्ट्र संवाद संवाददाता

झारखंड स्टेट बार काउंसिल के वाइस चेयरमैन और राज्य के सुप्रसिद्ध वरिष्ठ अधिवक्ता श्री राजेश कुमार शुक्ल ने झारखंड उच्च न्यायालय के प्रथम पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विनोद कुमार गुप्ता के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है और उनके निधन को न्यायिक जगत की अपूरणीय क्षति बताया है
श्री शुक्ल ने अपने शोक संदेश में कहा है कि न्यायमूर्ति श्री गुप्ता ने झारखंड में मुख्य न्यायाधीश के रूप मे सराहनीय और अनुकरणीय न्यायिक निर्णय लिए वही जिला और अनुमंडल न्यायालयों में आधारभूत संरचना बढ़ाने की दिशा मे भी कई महत्पूर्ण निर्णय लिए थे
श्री शुक्ल ने कहा है कि न्यायमूर्ति श्री गुप्ता द्वारा झारखंड, हिमाचल, उत्तराखंड में मुख्य न्यायाधीश के रूप मे जहां बेजोड़ और बेमिसाल कार्य हुए वही जम्मू कश्मीर और कोलकाता उच्च न्यायालय में न्यायाधीश के रूप मे भी उन्होंने कई महत्पूर्ण निर्णय दिए जिसकी सराहना होती है

अवैध कनेक्शन पर कार्रवाई नहीं हुआ तो ग्रामीण जिला उपायुक्त को मांग पत्र सौंपेंगे

राष्ट्र संवाद संवाददाता
बागबेड़ा कॉलोनी रोड नंबर 1 हिल टॉप स्कूल के समीप पानी के मुख्य पाइप से छेद कर दे रहे अवैध कनेक्शन पकड़े जाने पर एक सप्ताह बीत जाने के बावजूद अब तक कार्रवाई नहीं किए जाने एवं अवैध कनेक्शन हटाने की मांग को लेकर बागबेड़ा कॉलोनी के ग्रामीणों ने मुखिया राजकुमार गौड़ को एक मांग पत्र सौपा है।
स्थानीय ग्रामीणों द्वारा सौंपे गए मांग पत्र में कहा गया है कि बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी जलापूर्ति योजना बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी के 1140 क्वार्टर के लिए है। मगर बागबेड़ा कॉलोनी से बाहर आसपास के बस्तियों में लगभग 500 लोग अवैध कनेक्शन ले लिए है। जिसके कारण बागबेड़ा कॉलोनी के लोगों को पानी नहीं मिल पा रही है।
ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया है कि यथाशीघ्र अगर कार्रवाई नहीं होती है तो जिला उपायुक्त को मांग पत्र सौंप कर कार्रवाई की मांग की जाएगी।
इस मौके पर राज नारायण यादव, ओम प्रकाश, कृष्णा दुबे, वीरेंद्र कुमार,गोलु सिंह,संजय सिंह उपस्थित थे।

स्टेशन में हुए हादसे और उसके बाद हुई पुलिसिया कारवाई के बाद लोग विधायक को ढूंढ रहे विधायक गायब :आजसू

राष्ट्र संवाद संवाददाता

आजसू पार्टी जिला प्रवक्ता अप्पू तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि नो इंट्री में बड़े वाहन के आवागमन का दोषी कौन ..? और इस आवागमन में एक पिता और पुत्र की मौत के जिम्मेदार कौन ..?न्याय की मांग कर रहे स्थानीय लोग पर लाठी चार्ज क्यों ..?
और इतने बड़े घटना के बाद विधायक गायब है क्यों ..?
अप्पू तिवारी ने बीती रात हुई घटना की घोर भर्त्सना करते है हुए कहा कि जिला प्रशासन और वर्तमान की लुट खसोट वाली सरकार बेलगाम हो गई है वर्तमान विधायक जमीन की दलाली करने और लोगों के घर दावत खाने में मशगूल है
इस हफ्ते भर में जितने भी दुर्घटना हुई है उसके जिम्मेदार सिर्फ राज्य की सरकार है क्योंकि सड़क सुरक्षा के नाम पर पुलिस को सिर्फ हेलमेट और सीट बेल्ट के नाम पर उगाही करने को लगा दिया है और सरकार जनसंख्या नियंत्रण करने में लगी हुई है इसके लिए बड़े वाहनों को मौत के लिए इंट्री पास की सुविधा बहाल की हुई है ।
ऐसी निकम्मी सरकार को उखाड़ने और सरकार के उदासीन रवैए के खिलाफ आजसू जल्द ही एक चरण बद्ध आंदोलन करेगी

तुलसी भवन में मासिक काव्य कलश आयोजित'

राष्ट्र संवाद संवाददाता
जमशेदपुर। सिंहभूम जिला हिन्दी साहित्य सम्मेलन/तुलसी भवन द्वारा संस्थान के प्रयाग कक्ष में मासिक ₹काव्य कलश ₹ सह हिन्दी साहित्य में द्विवेदी युग के श्रेष्ठ निबंधकार सरदार पूर्ण सिंह की जयंती समारोह आयोजित किया गया ।
कार्यक्रम की अध्यक्षता तुलसी भवन के अध्यक्ष श्री सुभाष चन्द्र मुनका तथा संचालन साहित्य समिति के उपाध्यक्ष श्री सुरेश चन्द्र झा ने की । जबकि धन्यवाद ज्ञापन समिति के कार्यकारी अध्यक्ष यमुना तिवारी 'व्यथित' ने किया ।
मौके पर संस्थान के न्यासी श्री अरुण कुमार तिवारी मुख्य अतिथि के रुप में मंचासीन रहे ।
दीप प्रज्वलन के साथ समारोह की शुरूआत हुई । सरस्वती वंदना श्रीमती उपासना सिन्हा ने प्रस्तुत किया । स्वागत वक्तव्य तुलसी भवन के मानद महासचिव डॉ० प्रसेनजित तिवारी ने दिया ।
तदनुपरान्त हिन्दी के लोकप्रिय साहित्यकार सरदार पूर्ण सिंह की जयंती के अवसर पर उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए श्री अशोक पाठक 'स्नेही' ने उनका साहित्यिक परिचय प्रस्तुत किया ।
तत्पश्चात कार्यक्रम के दुसरे सत्र 'काव्य कलश' के मौके पर शहर के कुल ३३ कलमकारों ने स्वरचित काव्य पाठ प्रस्तुत किया ।
काव्य पाठ करने वालों में शैलेन्द्र पाण्डेय 'शैल', कैलाश नाथ शर्मा 'गाजीपुरी', भंजदेव देवेन्द्र कुमार 'व्यथित', नीलिमा पाण्डेय, चंदा कुमारी, बलविन्दर सिंह, डॉ० उदय प्रताप हयात, हरभजन सिंह रहबर, अजय प्रजापति, वसंत जमशेदपुरी,जय प्रकाश पाण्डेय, शकुंतला शर्मा, सुधा प्रजापति,निशांत सिंह, शुभम पाण्डेय, विद्या शंकर, मनीष सिंह वंदन, रीना गुप्ता, माधुरी मिश्रा, राजेश चरण, शशि ओझा 'शशि', विमल किशोर विमल, मनीष कुमार पाठक, राजीव कुमार, हरिकिशन चावला तथा राजा बंका प्रमुख रहे । कार्यक्रम के अंत में सामुहिक राष्ट्रगान हुआ ।

जीत का नशा नहीं और हार का गम नहीं होना चाहिए: एसडीएम

राष्ट्र संवाद ब्यूरो
अशोक कुमार ठाकुर

खेलकूदः यमुना भगत मेमोरियल महिला फुटबॉल कप टूनार्मेंट का फाइनल मुकाबला में रानी लक्ष्मीबाई एक्सपोर्ट अकादमी बना विजेता

बरौनी खेल गांव स्थित यमुना भगत स्टेडियम में बरौनी ग्रामीण क्लब द्वारा आयोजित 12 फरवरी से पांच दिवसीय 25 वां सिल्वर जुबली अंतर्राज्यीय महिला फुटबॉल टूनार्मेंट का आगाज हुआ है 16 फरवरी रविवार को फाइनल मुकाबला बेगूसराय और रानी लक्ष्मीबाई एक्सपोर्ट अकादमी के बीच खेला गया । जिसमें रानी लक्ष्मीबाई एक्सपोर्ट अकादमी की टीम ने बेगूसराय टीम को तीन - एक से पराजित करते हुए फाइनल मैच का विजेता घोषित किया गया। मैच ऑफ द सीरीज बेगूसराय के सुरुचि कुमारी को मिला वही मैन ऑफ द मैच रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट अकादमी के श्रुति कुमारी को दिया गया।मौके पर बतौर मुख्य अतिथि के रुप में सीआरपीएफ के डीआईजी,अनुमंडल पदाधिकारी तेघड़ा राकेश कुमार एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डॉ रविंद्र मोहन प्रसाद, तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय वायु सेवा से सेवानिवृत अधिकारी सह समाजसेवी चंद्र प्रकाश सिंह आनंद जी उपस्थित थे। बरौनी ग्रामीण क्लब के द्वारा विजेता टीम विजेता रानी बाई लक्ष्मी स्पोर्ट्स अकादमी को विजेता का शील्ड एवं बेगूसराय को उपविजेता का शील्ड एवं विभिन्न उपहार देकर सम्मानित किया गया । फाइनल मैच के उद्घाटन के अवसर पर

अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार एवं अन्य अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। वही अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार ने फुटबॉल को किक मार कर अंतिम दिन के फाइनल मैच का विधिवत उद्घाटन किया। उद्घाटन के मौके पर एसडीओ राकेश कुमार ने कहा कि खिलाड़ियों को जीत का नशा नहीं और हर का गम नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बरौनी खेल गांव कई दशकों से आगे है यहां के खिलाड़ी उत्कृष्ट प्रदर्शन को लेकर पूरे बिहार ही नहीं देश स्तर पर बरौनी गांव का नाम रोशन किया है। जिसके वजह से गांव का नामकरण बरौनी खेल गांव के रूप में हुआ है। सीआरपीएफ के डीआईजी ने कहा कि अब बिहार भी खेल के क्षेत्र में आगे जा रहा है। खेल को गांव गांव तक पहुंचाने के लिए बिहार सरकार ने तय किया है कि हर पंचायत में खेल मैदान का निर्माण हो । और यह प्रक्रिया तेजी से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बरौनी गांव को वह सौभाग्य मिलने जा रहा है। जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खेलो इंडिया का गठन किया है और वह खेल बरौनी गांव में इस विशाल और सुसज्जित यमुना भगत स्टेडियम में खेला जाएगा।अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी डॉक्टर रविंद्र मोहन प्रसाद ने कहा कि खेल की भावना को विकसित करने के लिए खेल को प्रत्येक गांव तक पहुंचाने के लिए सरकार तात्पर्य है। हर पंचायत में खेल क्लब का निर्माण होगा। जिसके तहत मेडल लाओ नौकरी पाओ पूरे देश में खेल के प्रति उत्साह जगा है । चंद्र प्रकाश सिंह आनंद जी ने कहा कि हार और जीत एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। हार जीत की पहली सीढ़ी है। असफलता से घबराएं नहीं बल्कि दोगुनी उत्साह से अपनी कमियों को खत्म करने का प्रयास करें। हमें हार से सबक लेते हुए जीत के लिए सतत प्रयास करते रहना चाहिए। जीवन आगे बढ़ते रहने का नाम है। पहले लक्ष्य तय करें तब रणनीति तय करें और उसके बाद गोल पाने तक प्रयास करते रहें। यही जीवन में हमें सफलता की तरफ ले जाएगा। मौके पर जिला परिषद प्रवीण शेखर, क्लब के संयोजक संजीव कुमार सिंह मुन्ना, मैच के रेफरी मोहम्मद दानिश, असिस्टेंट रेफरी रोशन कुमार, राकेश कुमार, अमन कुमार ,हेड ऑफ रेफरी चिरंजीवी ठाकुर, खेल के संस्थापक सुखदेव दास, ग्रामीण क्लब के सदस्य श्री देव सिंह, भोला सिंह, ज्योति सिंह, मदर टेरेसा विद्यालय के निर्देशक बृज बिहारी, पूर्व सैनिक संघ के अनुमंडल अध्यक्ष साकेत कुमार, के अलावे अन्य अतिथि मौजूद थे।

सार-संक्षेप

हिन्दू धर्म के अपमान की शिकायत को लेकर सांसद एवं मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

राष्ट्र संवाद

खोदावंदपुर,बेगूसराय। बेगूसराय के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशासन द्वारा हिन्दू धर्म का अपमान एवं मुस्लिम धर्म को बढ़ावा दिए जाने का आरोप लगाते हुए खोदावंदपुर थाना क्षेत्र के बरियारपुर पश्चिमी गांव निवासी व महामंडलेश्वर यति महाराज एवं नागाधाम तारा बरियारपुर के महंत स्वामी धर्मदास उदासीन महाराज का शिष्य चन्द्रगुप्त मुनि ने मुख्यमंत्री एवं स्थानीय सांसद को पत्र लिखा है.चन्द्रगुप्त मुनि द्वारा भेजे गये पत्र में बताया गया है कि बेगूसराय एवं बलिया अंचल में चेहलुम के मौके से पूर्व स्थानीय प्रशासन द्वारा सड़कों के किनारे लगे भगवा झंडे व देवी देवताओं के फोटो को जबरन हटवा दिया गया. वर्ष 2003 में भी मुसलमानों को खुश करने के लिए प्रशासन द्वारा सन्त महात्माओं के पोस्टर हटवा दिये गये. मौके पर नागाधाम के उपमहंत भवानी दास, देवी गाछी तारा बरियारपुर के पूजारी शिवनंदन दास, ग्रामीण संग्राम सिंह, अवनीश कश्यप, दीपनारायण सिंह समेत अन्य मौजूद थे.

एक्सपर्ट साईंस कोचिंग में 10वीं के बच्चों का विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित

राष्ट्र संवाद (उप ब्यूरो) बिहार, अशोक कुमार ठाकुर

समस्तीपुर एक्सपर्ट साईंस कोचिंग में वर्ग 10वीं के छात्र-छात्राओं को भावपूर्ण दी गई विदाई। रविवार को विदाई सह सम्मान समारोह में वर्ग 10 वीं के छात्र-छात्राओं की प्रतियोगिता परीक्षा ली गई ,जिसमें प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण सभी छात्र छात्राओं को मेडल और पुरस्कार दे कर सम्मानित किया गया। संस्था के संस्थापक अमोद कुमार के द्वारा बच्चों को आगामी मैट्रिक के परीक्षा में अधिक से अधिक अच्छे अंक लाने के विषय में चर्चा किया गया एवं बच्चों के उज्जवल भविष्य की कमाना की गई। इस परीक्षा में प्रथम स्थान ललिता कुमारी, द्वितीय स्थान पायल कुमारी, सजल कुमार, प्रियांशु कुमारी , तृतीय साक्षी कुमारी, चतुर्थ शिवंती कुमारी एवं पंचम स्थान पर सुजीत के साथ दर्जन भर छात्र-छात्राएं प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुआ। इस विदाई सह सम्मान समारोह में सभी शिक्षकों की गरिमामई उपस्थिति रही।

जिनके 15 साल का शासन फालतू रहा, वे वोट बैंक के लिए महाकुंभ पर न बोलें: सम्राट चौधरी

पटना, । उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रयागराज महाकुम्भ को ₹फालतू ₹ बताने की निंदा करते हुए कहा कि लालू प्रसाद का यह बयान सनातन धर्म की आस्था पर आघात है।

रविवार को यहां उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद ने हरियाणा-दिल्ली में विपक्ष की हार के बाद बिहार में महागठबंधन का सफाया होने के आसार देख कर एक बार फिर वोट बैंक को खुश करने के लिए यह शर्मनाक बयान दिया है।

उन्होंने कहा कि बिहार में जिनका 15 साल का शासन और पांच साल तक रेल मंत्री होना फालतू रहा, जिन्होंने कोई विकास नहीं किया, वे किस मुँह से धार्मिक मुद्दे पर टिप्पणी कर रहे हैं।

सम्राट चौधरी ने कहा कि राहुल गाँधी ₹मोहब्बत की दुकान ₹ का साइन बोर्ड लगा कर जिस शो-रूम से सनातन धर्म के प्रति नफरत बेच रहे हैं, बिहार में उसकी फ्रेंचाइजी लालू प्रसाद ने ले ली है।

उन्होंने कहा कि सावन में मटन-मछली खाना और महाकुम्भ की निंदा करना संयोग नहीं, तुष्टीकरण की राजनीति का प्रयोग है। 2025 के विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता इसका जवाब अवश्य देगी।

वार्षिक माध्यमिक परीक्षा सुचारू रूप से संचालन हेतु डीएम व एसपी की बैठक

सहरसा, ।प्रेक्षागृह में जिलाधिकारी वैभव चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक हिमांशु की संयुक्त अध्यक्षता में रविवार को आयोजित बैठक के दौरान वार्षिक माध्यमिक परीक्षा 2025 के सुचारु संचालन हेतु की गई तैयारियों की समीक्षा की गई एवं यथोचित दिशा निर्देश दिए गए।समीक्षा के क्रम में यह तथ्य उभरकर सामने आया की वार्षिक माध्यमिक परीक्षा का आयोजन 17.02.25 से 25.02.25 (केवलः23.02.25 को छोड़कर) तक दो पालियों यथाःप्रथम पाली पूर्वाह्नः9.30 बजे से अपराह्नः12.45 बजे तक एवं द्वितीय पाली अपराह्नः2.00 बजे से अपराह्नः05.15 बजे तक किया जाएगा।

जानकारी दी गई की प्रथम पाली के लिए परीक्षार्थियों को पूर्वाह्नः9 बजे से एवं द्वितीय पाली के लिए अपराह्नः01.30 बजे से परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।आज आयोजित बैठक के अवसर पर अपर समाहर्ता,श्री संजीव कुमार चौधरी,अनुमंडल पदाधिकारी,सदर एवं सिमरी बख्तियारपुर सहित अन्य संबंधित उपस्थित थे।

सिमेंट से भरा ट्रक मकान पर गिरा

बेतिया, ।बेतिया पुलिस जिला स्थित जगदीशपुर थाना के कठैया बेतिया मुख्य हाईवे पर चनमरी के पास सिमेंट से भरा एक ओवर लोड ट्रक बेकाबु हो कर मुन्ना मियां के मकान पर पलट गया। ऊपर वाले की मर्जी देखिये की घटना के समय घर में कोई नहीं था। जिससे जान माल की नुकसान नहीं हुआ ।

घटना में ट्रक चालक रामप्रवेश राम और खलासी राहुल राम को हल्की चोंटे आई हैं। जिनका स्थानीय स्तर पर इलाज जारी है। ग्रामीणों की माने तो ट्रक में क्षमता से अधिक सीमेंट लदा हुआ था, ओवरटेक करने के दौरान चालक वाहन का संतुलन खो बैठा ,जिससे यह हादसा हुआ है। जगदीशपुर थाना अध्यक्ष राहुल कुमार सिंह ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है. घटना के बाद ग्रामीणों ने प्रशासन से ओवरलोडिंग पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बुद्धिजीवी मंच ने निकाली शिक्षा जागरूकता रैली

नवादा, ।नवादा जिले के अकबरपुर प्रखंड स्तिथ 25 घरों का एक टोला नुमा गावं ₹प्रयागर₹ में रविवार को बुद्धिजीवि विचार मंच की टोली ने शिक्षा जागरूकता रैली निकाली। इस गावं में यह प्रथम प्रयास रहा. इससे पूर्व एक बैठक कुछ दिन पूर्व की गयी थी.इस गावं में सरकारी स्कूल स्थापित है। साथ -साथ सडक और बिजली भी अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं.आज के कार्यक्रम में संयोजक अबधेश कुमार, सेवानिवृत शिक्षक रामबिलास यादव, चंदेश्वर यादव, मथुरा पासवान, दिलीप पासवान, व्यास यादव, दादपुर ग्राम के अभिमन्यु पटेल, अंधरवारी ग्राम के अविनाश कुमार आदि नें भाग लिया.गावं के प्रायः सभी बच्चे और ढेरों बुजुर्ग इस कार्यक्रम का हिस्सा बने. चंदेश्वर और अविनाश के गीत सबों को बहुत भाये. सबों नें यह निश्चय किया कि वे अपने बच्चों कोई जरूर पढ़येंगे. आशा है कि वे ?सा करेंगे. ग्रामीण शिक्षा अभियान रुकता रैली में शामिल होकर बच्चों को शिक्षित करने का भी संकल्प लिया।

बोला हमलाः आजाद हिंदुस्तान में पहली बार मोदी की वजह से देश हुआ शर्मसार

राष्ट्र संवाद संवाददाता

सीपीआई अंचल परिषद साहेबपुरकमाल की बैठक में लिया गया आंदोलन तेज करने का निर्णय

साहेबपुरकमाल / बेगूसराय रविवार को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी अंचल परिषद साहेबपुरकमाल की बैठक गोपाल पोद्दार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए अंचल सचिव मनोज कुमार ने कहा कि नवीकरण का कार्य संपन्न होने के बाद नौजवान संघ एवं किसान सभा का भी गठन किया जाएगा तथा नई भर्ती का कार्य जारी रहेगा। प्रभारी प्रताप नारायण सिंह ने कहा कि साम्राज्यवादी मुल्क अमेरिका ने भारत के नागरिकों को जिस तरह से लोहे के जंजीरों में जकड़ कर हवाई जहाज से भारत भेजा, वह निंदनीय और शर्मनाक है। आज

तक अंधभक्त कहते थे कि मोदी का डंका पूरी दुनिया में बज रहा है लेकिन अगर आप अपनी दृष्टि से देखेंगे तो पता चलेगा कि वह डंका फूटा हुआ था।

ट्रंप के जीत पर अंध भक्तों के द्वारा हवन किया जा रहा था तो दूसरी ओर नरेंद्र मोदी का अमेरिका यात्रा पूरी तरह से असफल रहा। उन्होंने आक्रोशित लहजे में कहा कि आजाद हिंदुस्तान में किसी विदेशी मुल्कों ने हमारे साथ ऐसा सुलूक नहीं किया, फिर भी हम अमेरिका का पिट्ठू बने हुए हैं। उन्होंने सलाह देते हुए कहा कि मेरी पार्टी को महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के सवाल पर एक सशक्त आंदोलन करने की जरूरत है। लाल झंडा एवं इसका गठबंधन ही जनता की कल्याणकारी कार्य करने में सफल होगा। आने वाला दिन में हम अपने गठबंधन के उम्मीदवारों को जीतने के लिए अभी से ही कमर कस लें। बैठक में केदार महतो, अनवर आलम ,सरफराज आलम, रामकुमार सिंह, प्रभाकर सिंह, राजेश कुमार सुमन, मोहम्मद नौशाद, मोहम्मद रिया उल हक, सुबोध प्रसाद सिंह, सौरभ कुमार सिंह, गोपाल पटेल, ललिता कुमारी ,उपेंद्र प्रसाद यादव पुष्प कुमार पासवान समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

खोदावन्दपुर मुख्यालय मैदान में क्रिकेट टूनामेंट का आयोजन, वनद्वार की टीम 28 रनों से मैच जीतकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

राष्ट्र संवाद संवाददाता
राजेश कुमार

खोदावंदपुर/बेगूसराय। प्रखंड मुख्यालय स्थित मैदान में रविवार को शहीद भगत सिंह स्पोर्ट क्रिकेट क्लब खोदावन्दपुर के द्वारा टूनामेंट का आयोजन किया गया. आयोजित कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन छौड़ाही क्षेत्र की जिला परिषद सदस्या प्रेमलता देवी, जिला नोडल पदाधिकारी डॉ ओमप्रकाश सिंह, बीडीओ नवनीत नमन, सीओ प्रीति कुमारी, बीपीआरओ अलका कुमारी, प्रभारी थानाध्यक्ष सुबोध कुमार, पूर्व प्रमुख मिथिलेश कुमार मिश्र, उपमुखिया कामेश्वर महतो, पूर्व मुखिया रामपदारथ महतो, समाजसेवी नरेश महतो, धर्मेन्द्र कुमार, नवीन कुमार, बलवंत यादव, सरोज कुमार, छोटेलाल, जेपी सिंह, आइपी स्कूल बरियारपुर पूर्वी के निदेशक राजाराम महतो आदि ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया.अतिथियों ने बछवाड़ा एवं वनद्वार टीम के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया. आगत अतिथियों एवं दोनों टीम के कप्तान की मौजूदगी में टॉस उछाला गया, जिसमें वनद्वार की टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और 19.4 ओभर में सभी विकेट खोकर 238 रन बनाया, जवाबी में बल्लेबाजी करते हुए बछवाड़ा की टीम ने 19.3 ओभर में सभी विकेट खोकर 210 रन बनायी. इस प्रकार वनद्वार की टीम ने 28 रनों से मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया.

इसकी जानकारी दोनों टीम के कप्तान नीतीश सिंह व अभिनव कुमार ने दी. इस क्रिकेट टूनामेंट के आयोजन में आर्मी जवान संतोष कुमार, रेलवे कर्मी मनीष कुमार, ग्रामीण नीतीश कुमार, राजू कुमार, मनोज कुमार, नंदन कुमार समेत अनेक क्लब के सदस्यों ने अपनी अहम भूमिका निभा रहे हैं. इस टूनामेंट को लेकर युवाओं में काफी उत्साह देखा गया. आयोजक व आर्मी जवान संतोष कुमार ने बताया कि 17 फरवरी को आदर्श एलेवन सिंघिया और रघुनंदनपुर के बीच टूनामेंट खेला जायेगा.

कांग्रेस ही देश को चला सकती है : सार्जन

राष्ट्र संवाद संवाददाता

साहेबपुर कमल आगामी बिहार बिधानसभा चुनाव को देखते हुए साहेबपुर कमाल बिधानसभा के बलिया प्रखंड कांग्रेस कार्यकर्त्ताओ की बैठक साहेबपुर कमाल बिधानसभा के पूर्व कांग्रेस प्रतियासी सह बलिया पिसीसी अध्यक्ष राकेश सिंह के अध्यक्षता मे बलिया प्रखंड कांग्रेस कार्यालय परिसर मे आयोजित की गई। जिसे सम्बोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष अभय कुमार सिंह सार्जन ने कहा देश की जनता कई बार बहकावे मे आकर देश मे बदलाव तो कर देती लेकिन उस बदलाव से देश प्रदेश को जो नुकसान होता उसकी भरपाई करने मे कांग्रेस सरकार को बर्षो लग जाता हे। देश का इतिहास गवाह हे जिसने भी कांग्रेस पर भ्ष्टाचार का आरोप लगाकर देश प्रदेश के सत्ता पर काबिज हुए वह खुद भष्ट साबित हुए । जिसका सबूत गैर कांग्रेस

सरकार के शिर्ष लीडर भष्टाचार के आरोप मे जेल भी गए और आनेबाले दिनों मे जेल जायेगे । जहाँ तक बिकास की बात हे तो उदहारण हे बिहार का बेगूसराय सरकार आती जाती रही सरकार बिहार मे जाती धर्म के नाम पर बनती रही लेकिन आजाद भारत मे जो भी बिकास बेगूसराय का हुआ वह कांग्रेस की सरकार ने किया। कांग्रेस सरकार के कारण ही बेगूसराय आज देश के शिर्ष स्थान पर हे। कांग्रेस आगामी बिधानसभा चुनाव पूरी ताकत से लड़ेगी और उखाड़ फेकेगी बिहार से एनडीए सरकार को। कांग्रेस बेगूसराय के सातों बिधानसभा क्षेत्र मे चुनाव लड़ने के लिए तैयार हे। पाटी ने अगर आदेश दिया सातों बिधानसभा मे चुनाव लड़ने का तो लड़ेंगे भी और जीतेंगे भी । आज के प्रखंड कांग्रेस कार्यकर्त्ताओ की बैठक के पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष सार्जन ने कार्यकर्त्ताओ के साथ प्रखंड कार्यलय पहुंच कर संबिधान निमार्ता बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर और पटेल चौक पर देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार पटेल के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धांजलि अर्पित क्या। आज के इस बैठक को जिला उपाध्यक्ष रामबिलास सिंह, लखन पासवान, प्रभारी चुनचुन राय, इरशाद आलम, मो तारिक, नवीन सिम्हा, मोङ्ग सोहेल, धर्मदेव चौधरी, अरुण गाँधी, प्रेमबाबा ,मंजू देवी, रेखा देवी, बिनोद शर्मा, मोङ्ग छोटू ,मोङ्ग जाकिर, अनिल चौधरी, राजेश सिंह, रंजीत सिंह, चंद्रशेखर पासवान, मनोज पासवान, डाङ्ग बकील अहमद, रंजीत सिंह, राजीव मिश्रा, दिनेश महतो, मोङ्ग शौकत, ललन चौधरी, सहित अनेक कांग्रेस कार्यकर्त्ता नेता शामिल थे ।आज के बैठक मे अधिबक्ता मोङ्ग हंजला, रुपेश कुमार, मनोज पासवान, मोङ्ग बसर, पवन कुमार, जिला अध्यक्ष के सामने कांग्रेस पाटी की सदस्यता ली। बैठक के अंत मे रेल दुर्घटना एवं सड़क दुर्घटना कुम्भ यात्रीयों की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए मृत आत्मा को दो मिनट का मौन रखकर कांग्रेस कार्यकर्त्ताओ ने श्रद्धांजलि अर्पित क्या।

जिले में चल रहा है फाइलेरिया उन्मूलन हेतु सर्व - जन दवा सेवन अभियान - डॉ. शुभाष झा

बेगुसराय 12 फरवरी 2025 जिले में 10 फरवरी से सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। विदित हो कि इस अभियान के दौरान जिले में कुल 34,90,423 लाख लोगों को दवा खिलाने का लक्ष्य रखा गया है। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शुभाष झा ने बताया कि सभी को दवा का सेवन करना चाहिए। दवा पूरी तरह से सुरक्षित एवं कारगर है। लगातार पांच साल में एक बार साल में दवा का सेवन करने से व्यक्ति फाइलेरिया के संक्रमण से अपने आप को काफी हद तक सुरक्षित कर सकता है। उन्होंने अपील किया कि सभी संचालित अभियान के दौरान दवा का सेवन करें एवं अपने परिवार एवं अन्य प्रियजनों को दवा सेवन करने के लिए प्रेरित करें।

साइड इफेक्ट का कोई गंभीर मामला दर्ज नहीं:

डॉ. झा ने बताया कि दवा सेवन के उपरांत पूरे जिले से साइड इफेक्ट का कोई भी गंभीर मामला नहीं आया है। कुछ लोगों को मामूली दिक्कत जैसे सर चकराना, जी मितलाना आदि जैसी जिले में परेशानी हुई है जिसका त्वरित समाधान टीम द्वारा किया गया है। जिले के सभी प्रखंडों में रैपिड रिस्पांस टीम की तैनाती की गयी है जो किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सक्षम है।

उन्होंने ने बताया कि जिन लोगों में दवा सेवन के बाद उल्टी, चक्कर एवं सर दर्द जैसी शिकायत आयी है, उनके क्षेत्र में फाइलेरिया परजीवी का संक्रमण होने की पुष्टि होती है. इसे आसान शब्दों में समझें तो यह है कि दवा सेवन के बाद अगर किसी तरह की शारीरिक शिकायत होती है तो यह स्पष्ट होता है कि शरीर में पहले से फाइलेरिया के परजीवी मौजूद थे. दवा सेवन से परजीवी मरते हें ।जिसके कारण उल्टी, चक्कर या सर दर्द जैसे छोटी-मोटी शिकायत हो सकती है।अगर इसे दूसरे रूप में समझें तो यह एक शुभ संकेत है कि दवा फाइलेरिया परजीवी को मारने में असरदार साबित हो रही है.

किसान सभा के 35 वां प्रांतीय सम्मेलन से पूर्व जिला स्तरीय सम्मेलन की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित

राष्ट्र संवाद ब्यूरो
अशोक कुमार ठाकुर

मध्य विद्यालय बिहट में 26 फरवरी को होगा किसान सभा का जिला सम्मेलन

15 फरवरी रविवार को भाकपा पार्टी कार्यालय बिहट में बिहार राज्य किसान सभा बेगूसराय जिला परिषद की बैठक कॉमरेड सत्यनारायण महतो की अध्यक्षता में संपन्न हुई

बैठक को संबोधित करते हुए राज्य संयोजक राम चन्द्र महतो ने कहा कि चंपारण की धरती राष्ट्र पिता महात्मा गाँधी की कर्मभूमि रही है जहाँ निलहों के खिलाफ किसान आंदोलन का श्रीगणेश करते हुए उन्होंने सत्याग्रह का आगाज कर अंग्रेजी हुकुमत को खुली चुनौती दी और आगे चलकर देशव्यापी स्वतंत्रता संग्राम को गांव गांव तक पहुंचाकर अंग्रेजों को भारत छोड़कर जाने के लिए मजबूर कर दिया

इसी मोतिहारी की पावन धरती पर तीन दिवसीय बिहार राज्य किसान

सभा का 35 वाँ राज्य सम्मेलन 3,4,5 मार्च 2025 को होने जा रहा है उससे पहले तमाम जिला का सम्मेलन होना जरूरी है

इसी बीच सर्व सम्मति से बेगूसराय का जिला सम्मेलन राजकीयकृत मध्य विधालय बिहट में 26 फरवरी 2025 को तय किया गया। किसान नेता दिनेश सिंह ने कहा कि किसान सभा के जिला सम्मेलन धूम धाम से मनाया जाएगा इसके लिए तमाम साथियों को अभी से मेहनत करने की आवश्यकता है।

भाकपा जिला मंत्री अवधेश कुमार ने कहा यह वर्ष पार्टी के 100 वीं बर्ष गांठ का वर्ष है विगत शताब्दी वर्ष में हमारे जिले के 127 नौजवानों ने शहादत देकर लाल झंडे के रंग को सुर्ख किया था इस लिए पार्टी को और मजबूत करने की जरूरत है।

इसलिए तमाम जन संगठनों को खड़ा कर आगामी विधानसभा चुनाव में लाल झंडा के सिपाही को हर हाल में विधानसभा भेजने का काम करेंगे।

बैठक में उपस्थित तेघड़ा विधानसभा के माननीय विधायक राम रतन सिंह,प्रताप नारायण सिंह,राजकिशोर सिंह,राजेन्द्र चौधरी,राम नरेश महतो,प्रह्लाद सिंह ,परमानन्द सिंह ,रामाधार कुमार,सनातन प्रसाद सिंह, राम स्वार्थ सहनी, मनी भूषण सिंह, कृष्ण कुमार,सिंह, भोला सिंह, मोहम्मद सिराज समेत जिला के कई नेतागण मौजूद थे।

पंजीयन संख्या :JHAHIN01092 स्वामी , प्रकाशक , मुद्रक व संपादक देवानंद सिंह द्वारा अमन प्रिंटर , 66 गोलमुरी बाजार , जमशेदपुर - 3 से मुद्रित तथा अमन पब्लिकेशन राष्ट्र संवाद , 66 गोलमुरी बाजार , जमशेदपुर -3 झारखंड से प्रकाशित ।फोन : 0657 - 2341060 /2344002 मो:09431179542 /09102339999 / 07739802044 / 09334823893

हिमालय की ऊंची चोटियों पर बारिश-बर्फबारी; उत्तराखंड-जम्मू-कश्मीर में बढ़ी ठंड, कई जगह पारा शून्य

नई दिल्ली,एजेंसी।

उत्तर पश्चिम से लेकर पूर्वोत्तर के हिमालयी राज्यों की ऊंची चोटियों पर शनिवार को बारिश और बर्फबारी से ठंड बढ़ गई है। जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के कई स्थानों पर पारा शून्य तक गिर गया है। लेकिन, उत्तर पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में गर्मी लगातार बढ़ रही है। मौसम विभाग ने अगले तीन- चार दिन के दौरान न्यूनतम और अधिकतम तापमान में 2-4 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि की संभावना जताई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के श्रीनगर केंद्र के अनुसार, शनिवार को श्रीनगर में न्यूनतम तापमान शून्य डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी के साथ ठंड की एक बार फिर वापसी हुई है। अधिकतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस रहा। कश्मीर घाटी के ज्यादातर शहरों में भी इसी तरह का मौसम रहा। हालांकि, ठंड के बावजूद श्रीनगर के

ऐतिहासिक डल झील में लोग नौकायन का लुत्फ उठाते नजर आए। आईएमडी ने कहा कि 17 फरवरी को एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित कर सकता है। इसके असर से 17-21 फरवरी के बीच जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित और हिमाचल प्रदेश के कुछ इलाकों में छिटपुट से लेकर हल्की वर्षा और कुछ जगहों पर बर्फबारी हो सकती है। 19 और 20 फरवरी को उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश और हिमपात की संभावना है। इस दौरान पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश हो सकती है।

उत्तराखंड की दारमा और व्यास घाटी में हिमपात: उत्तराखंड के सीमांत जिले पिथौरागढ़ में मौसम ने फिर करवट बदला। शनिवार को धारचूला और मुनस्यारी की ऊंची चोटियों पर बर्फबारी और निचले इलाकों में हल्की बारिश हुई। धारचूला के दारमा और व्यास घाटी में एक सप्ताह के भीतर हुई दूसरी बर्फबारी से चीन सीमा से सटे गांवों में जनजीवन प्रभावित हुआ है। सीमा की सुरक्षा में डटे सैनिकों को बर्फ के बीच गश्त करनी पड़ रही है। बर्फबारी और बारिश के बाद दूसरे ही दिन जिले का तापमान चार डिग्री गिर गया। वहीं मुनस्यारी के खलिया में एक इंच बर्फबारी हुई। पर्यटकों ने यहां पहुंचकर बर्फबारी का आनंद उठाया।

चेतावनी, चक्रवाती परिसंचरण से होगी बारिश: आईएमडी के अनुसार, नगालैंड और उसके आसपास के इलाकों में समुद्र तल से 1.5 किमी ऊपर चक्रवाती परिसंचरण बना हुआ है। इसके प्रभाव में, 21 फरवरी तक अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट से लेकर व्यापक रूप से हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है। ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फ गिरने की भी संभावना है। 15, 16 और 19 फरवरी को गरज के साथ बारिश और कहीं-कहीं बिजली भी गिर सकती है। अगले 7 दिनों के दौरान असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट से लेकर हल्की वर्षा होने की संभावना है।

धीरे-धीरे बढ़ेगा तापमान: मौसम विभाग ने बताया कि उत्तर पश्चिम भारत में अगले दो दिन के दौरान न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री तक गिरावट दर्ज की जा सकती है। उसके बाद तापमान में 2-3 डिग्री तक वृद्धि होगी। अगले चार दिन के दौरान उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री तक की वृद्धि हो सकती है। पूर्वी भारत में तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं आएगा। उत्तर पश्चिम भारत में एक दिन बाद अधिकतम तापमान में भी 2-3 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि होने की संभावना है।

अधपका चिकन न खाएं..., गुलियन-बैरे सिंड्रोम की चिंता के बीच अजित पवार की लोगों को सलाह

पुणे,एजेंसी।

गुलियन-बैरे सिंड्रोम (जीबीएस) के खतरे के बीच महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने जनता से अपील की कि वे एहतियात के तौर पर अधपके चिकन खाने से बचें। पुणे में राज्य के सबसे अधिक मामले सामने आए हैं, जिससे लोगों में इसको लेकर चिंता बढ़ी है। अजित पवार पुणे में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस प्रकोप को मुर्गीपालन की खपत से जोड़ने वाली चिंताओं पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मुर्गियों को मारने की कोई जरूरत नहीं है। पवार ने कहा, हाल ही में खडकवासला बांध इलाके में जीबीएस के मामलों की खबर आई थी। कुछ में इसे पानी में गंदगी से जोड़ा गया, तो कुछ में इसे चिकन खाने से जोड़ा गया। पूरी तरह से जांच के बाद यह निष्कर्ष निकाला गया है कि मुर्गियों को मारने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि वे अपना खाना, खासकर चिकन, अच्छे से पकाकर खाएं, ताकि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचा जा सके। जीबीएस संक्रमण के कारण हो सकता है और यह कैम्पिलोबैक्टर जेजुनी बैक्टीरिया से संक्रमित पानी और भोजन से हो सकता है। पवार ने कहा, डॉक्टर भी सलाह देते हैं कि खाना पूरी तरह से पका हुआ होना चाहिए। जीबीएस की स्थिति नियंत्रण में है और मुर्गियों को मारने की जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, शनिवार को जीबीएस का एक और नया मामला दर्ज किया गया, जिससे राज्य में संदिग्ध और पुष्टि किए गए जीबीएस मामलों की संख्या बढ़कर 208 हो गई है। जीबीएस एक दुर्लभ स्थिति है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा पणाली परिधीय तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करती है, जिसके कारण मांसपेशियों में कमजोरी, अंगों में संवेदनहीनता, निगलने या सांस लेने में समस्या हो सकती है।

भारत भविष्य में अहम भूमिका निभाएगा, अमेरिका के साथ संबंधों पर राज्यपाल बोस ने कही ये बात

कोलकाता,एजेंसी।

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हाल में हुई मुलाकात भारत और अमेरिका के बीच मजबूत होते संबंधों को दर्शाती है। राज्यपाल ने यह भी कहा कि ट्रंप और पीएम मोदी के बीच की दोस्ती वैश्विक ढांचे में भारत के कद को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि भविष्य के विचार-विमर्श और निर्णयों में भारत निर्णायक भूमिका निभाएगा, जो इतिहास के पाठ्यक्रम को प्रभावित करेगा। यह एक महत्वपूर्ण बैठक थी, जो निश्चित रूप से पूरे भारत के लिए फायदेमंद है।

पीएम मोदी की यात्रा के दौरान कई समझौतों पर बनी सहमति: पीएम मोदी की दो दिवसीय यात्रा के दौरान, भारत और अमेरिका ने अपने संबंधों को मजबूत करने के लिए कई पहलों की घोषणा की, जिसमें रक्षा सहयोग, ऊर्जा व्यापार तथा असैन्य परमाणु सहयोग से संबंधित समझौते शामिल हैं। दोनों

नेताओं ने एक नई पहल यूएस-इंडिया कॉम्पेक्ट की भी शुरुआत की, जिसका उद्देश्य सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों में प्रगति करना है।

आरजी मामले को छोड़ने पर भाजपा विधायकों ने किया विरोध: पश्चिम बंगाल विधानसभा में हाल की घटनाओं को संबोधित करते हुए, राज्यपाल बोस ने अपने अभिभाषण से आरजी कर दुष्कर्म और हत्या की घटना को छोड़ दिया, जिसका भाजपा विधायकों द्वारा विरोध किया गया। इस पर बोस ने टिप्पणी की कि राज्यपाल का भाषण सरकार की नीति को दर्शाता है, न कि उनके व्यक्तिगत विचार।

राज्यपाल को संविधान से कुछ विवेकाधीन शक्तियां मिलीं: उन्होंने बताया, संविधान राज्यपाल को कुछ विवेकाधीन शक्तियां प्रदान करता है, जिनका प्रयोग इसके मापदंडों के भीतर किया जा सकता है। हालांकि, राज्यपाल का अभिभाषण मंत्रिपरिषद द्वारा तैयार किया जाता है और आमतौर पर इसमें सरकार के कार्यों की रूपरेखा होती है। राज्यपाल भाषण की विषय-वस्तु के बारे में सुझाव दे सकते हैं, लेकिन विपक्ष को इसे प्रस्तुत करने के दौरान आपत्ति जताने का अधिकार है, जिसका उन्होंने प्रयोग किया। मैंने उनकी बात सुनने के लिए अपना भाषण रोक दिया। पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन विधेयक (अपराजिता विधेयक) के संबंध में राज्यपाल बोस ने अपनी सांविधानिक जिम्मेदारियों को स्पष्ट किया।

इसरो के प्रतिष्ठित अंतरिक्ष वैज्ञानिक प्रोफेसर आर. मनिका वासगाम (91 वर्ष) का निधन

चेन्नइ,एजेंसी।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रतिष्ठित अंतरिक्ष वैज्ञानिक प्रो. आर. मनिका वासगाम का शनिवार को निधन हो गया। 91 वर्षीय प्रो. मनिका ने भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

इसरो के प्रतिष्ठित अंतरिक्ष वैज्ञानिक रहे प्रो. आर. मनिका वासगाम ने अन्ना विश्वविद्यालय, तमिलनाडु के कुलपति (वीसी) के रूप में भी कार्य किया। वह तत्कालीन तमिलनाडु सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के संस्थापक-निदेशक भी रहे हैं। उन्होंने तिरुवनंतपुरम के थुंबा में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र के निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दी। प्रो. वासगाम पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त करने वाले इसरो वैज्ञानिकों में सबसे कम उम्र के थे। वह भारत के भास्कर उपग्रह के परियोजना निदेशक और कोयंबटूर के पीएसजी कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी के प्रतिष्ठित छात्र रहे हैं।

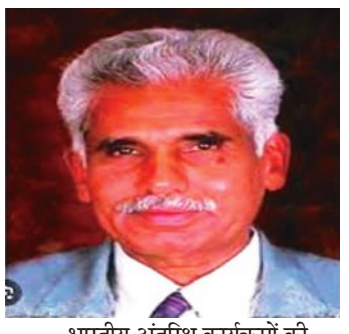

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों की अगर हम बात करें तो रॉकेट और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विशेषज्ञ, प्रो. वासगाम ने भारत के पहले उपग्रह प्रक्षेपण यान, एसएलवी-3 के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इस प्रकार भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में उनका योगदान चार दशकों से अधिक समय तक रहा। इस दौरान उन्होंने डॉ. विक्रम साराभाई और डॉ. सतीश धवन सहित अन्य प्रसिद्ध वैज्ञानिकों के साथ मिलकर काम किया। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए प्रो. वासगम का निधन भारतीय वैज्ञानिक समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण क्षति है और उनकी विरासत वैज्ञानिकों और इंजीनियरों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी।

उनके निधन पर इसरो के अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ने कहा, भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक सच्चे अग्रदूत रहे प्रो. आर. मनिका वासगम के निधन पर शोक व्यक्त करता हूं।भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं के विकास में उनका योगदान अतुलनीय है और उनकी विरासत हमें हमारे महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने में मार्गदर्शन करती रहेगी।

इसरो के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रो. आर. मनिका वासगम के सहयोगी डॉ. टीआर गोपालकृष्णन नायर ने कहा, वर्तमान परिस्थितियों में अंतरिक्ष कार्यक्रम को सर्वश्रेष्ठ बनाने की उनकी सोच हमेशा आगे रही है। चुनौतियां कभी भी बाधक नहीं हुई और उनके इस अद्भुत व्यक्तित्व की विशेषता ने इसरो में प्रौद्योगिकी समाधान का एक शानदार योगदान दिया। वह एक सचमुच प्रतिभाशाली वैज्ञानिक और शिक्षाविद के साथ-साथ व्यक्तिगत तौर पर दयालु हृदय वाले सज्जन और मानवीय दृष्टिकोण वाले व्यक्ति थे।

मुकदमे में देरी के कारण जेल में रखना न सिर्फ आरोपियों, पीड़ितों के लिए भी बुरा

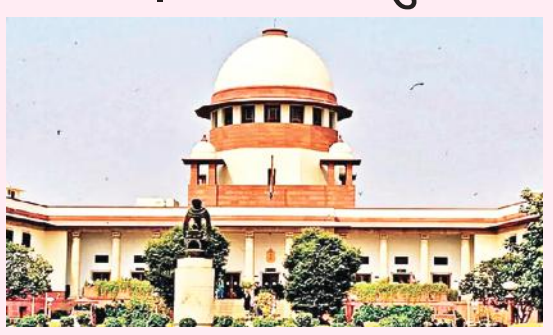

नई दिल्ली,एजेंसी।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुकदमे में अत्यधिक देरी के कारण आरोपी को लंबे समय तक जेल में रखना न सिर्फ उसके लिए बुरा है, बल्कि पीड़ितों के लिए भी उतना ही बुरा है। इतना ही नहीं, यह भारतीय समाज और हमारी मूल्यवान न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता के लिए भी बुरा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि मुकदमों में देरी और जमानत के मुद्दे पर सही और उचित परिप्रेक्ष्य में विचार करने का समय आ गया है। जस्टिस जेबी पारदीवाला व जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने छत्तीसगढ़ में 24 मार्च, 2020 को नक्सली सामग्री ले जाने के आरोप में गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत गिरफ्तार तपस कुमार पालित को जमानत दे दी। साथ ही जोर दिया कि ट्रायल कोर्ट व सरकारी अभियोजकों को सुनिश्चित करना चाहिए कि गवाहों की लंबी सूची त्वरित सुनवाई के अधिकार को प्रभावित न करे। पीठ ने मामले में अभियोजन पक्ष की 100 गवाहों की सूची पर भी आपत्ति जताई और कहा, यदि एक विशेष तथ्य को स्थापित करने के लिए 100 गवाहों की जांच की जाती है तो कोई उपयोगी उद्देश्य पूरा नहीं होगा। जहां तक गवाहों की जांच का सवाल है, सरकारी वकील से अपेक्षा की जाती है कि वह विवेक का इस्तेमाल बुद्धिमानी से करे। जहां गवाहों की संख्या अधिक है, वहां सभी को पेश करना जरूरी नहीं है। अपराध कितना भी गंभीर हो, त्वरित सुनवाई का अधिकार सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हमने कई बार स्पष्ट किया है कि चाहे अपराध कितना भी गंभीर क्यों न हो, अभियुक्त को संविधान के अनुच्छेद 21 के अनुसार त्वरित सुनवाई का मौलिक अधिकार है। पीठ ने कहा, मामले में अपीलकर्ता को जमानत पर रिहा करने के अलावा हमारे पास कोई विकल्प नहीं बचा है, क्योंकि वह पांच साल से जेल में है। राज्य के वकील को अंदाजा नहीं है कि 100 गवाहों के मद्देनजर मुकदमे को पूरा करने में कितना समय लगेगा। पीठ ने कहा कि जज भी ऐसे मामलों में सावधानी बरतें। दंड प्रक्रिया संहिता में ऐसे मामलों को कुशलतापूर्वक निपटाने के कई उपकरण हैं। पीठ ने कहा कि यदि किसी आरोपी को विचाराधीन कैदी के रूप में तो कहा जा सकता है कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत

ओवैसी ने व्यवस्था से जुड़ी विफलताओं पर टिप्पणी, न्यायिक निगरानी वाली एसआईटी जांच की मांग

नई दिल्ली,एजेंसी।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ के बाद हुई मौतों पर संवेदना व्यक्त करते हुए एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने रविवार को इस त्रासदी की जांच स्वतंत्र, न्यायिक निगरानी वाली एसआईटी से कराने की मांग की।

एक्स पर एक पोस्ट में, हैदराबाद से लोकसभा सांसद ने भारतीय रेलवे की व्यवस्था से जुड़ी विफलताओं की स्वतंत्र जांच की भी मांग की। भीड़भाड़ वाले रेलवे स्टेशन पर शनिवार देर रात मची भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई और एक दर्जन से अधिक घायल हो गए।

उन्होंने लिखा, नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुई भगदड़ में मारे गए लोगों के प्रियजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। यह एक टाली जा सकने वाली त्रासदी थी।

भाजपा सरकार जो कुछ हुआ उसे छुपाने की कोशिश कर रही है। इसके बजाय ये काम करने की जरूरत है-

1. इस त्रासदी की जांच के लिए एक स्वतंत्र, न्यायिक निगरानी वाली एसआईटी की नियुक्ति

2. उन्होंने पोस्ट में कहा, ''भारतीय रेलवे की प्रणालीगत विफलताओं की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए।''

उन्होंने आगे कहा कि भारतीय रेलवे लाखों भारतीयों की जीवन रेखा है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के कुप्रबंधन की हकदार नहीं है।

भगदड़ की घटना से पहले स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 14 और 15 पर प्रयागराज (जहां महाकुंभ चल रहा है) के लिए ट्रेन पकड़ने के लिए यात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी थी।

अमेठी में डीएम-एसपी ने रेलवे स्टेशन व बस स्टेशन की सुरक्षा जांची

राष्ट्र संवाद संवाददाता

अमेठी।जिले की डीएम निशा अनंत व एसपी अपर्णा रजत कौशिक ने रविवार को अमेठी व गौरीगंज रेलवे स्टेशन व बस स्टैंड पर पहुंच कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।एसपी ने सुरक्षा को लेकर आवश्यक निर्देश भी सुरक्षाकर्मियो को दिए।

मिली जानकारी के अनुसार महाकुंभ व आगामी त्यौहारों व सुरक्षा व्यवस्था को जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक रेलवे स्टेशन अमेठी व गौरीगंज और बस स्टेशन पर प्रकाश,वाहन पार्किंग,प्रतीक्षालय,पेयजल, पूछताछ व सहायता केंद्र और अन्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर स्टेशन अधीक्षक को व्यवस्थाओं हेतु, सुरक्षा बल के कर्मियों को सुरक्षा व्यवस्था हेतु एवं अन्य रेलवे संबंधित को आवश्यक आदेश-निर्देश दिये।

भोपाल के स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, तेलुगु भाषा में मेल किया

भोपाल,एजेंसी।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के पिपलानी थाना क्षेत्र में खजूरी सड़क स्थित हरमन माइनर स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। शनिवार क स्कूल प्रिंसिपल की आधिकारिक ई-मेल आइडी पर अंग्रेजी और तेलुगु की मिली जुली भाषा में लिखे मेल में स्कूल की बिल्डिंग को आईईडी ब्लास्ट से उड़ाने धमकी दी गई। आज स्कूल की छुट्?टी थी, लेकिन स्टाफ के कुछ सदस्य और कुछ छात्रों के परिजन मीटिंग के लिए मौजूद थे। धमकी मिलने के बाद तुरंत ही वे बाहर निकल गए और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बीडी (बॉम्ब डिस्पोजल) और डीएस (डॉग स्क्वायड) की टीम के साथ स्कूल की सघन तलाशी शुरू कर दी। इसके अलावा, एटीएस (एंटी टेरर स्क्वायड) की टीम भी जांच के लिए पहुंची और तलाशी ली।

प्रिंसिपल सुनीता सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह 10.53 बजे मेल आया, जिसमें स्कूल को सुसाइड ब्लास्ट से उड़ाने की बात कही गई थी। जिस ई-मेल से यह धमकी दी गई वह तमिलनाडु राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री पलानीवेल थ्याग राजन (पीटीआर) के नाम से बनाई गई है। इसमें कहा गया कि हरमन माइनर स्कूल में आरडीएक्स से आत्मघाती आइईडी ब्लास्ट होगा। 2.55 बजे तक सभी को वहां से निकाल लो। मेल देखने के बाद उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। उसके बाद स्कूल को खाली करा लिया गया। यह मेल इस मेल में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और उनकी पार्टी द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) से संबंधित एक लेख भी लिखा है।

थाना प्रभारी अनुराग लाल ने बताया कि स्कूल के कोने-कोने की तलाशी ली गई, लेकिन कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। पुलिस को जानकारी मिली कि दो दिन पहले ही दिल्ली से स्कूल में किताबों का एक पार्सल आया था। इसे भी संदेह के आधार पर बीडी और डीएस की टीम ने खोलकर जांच की, लेकिन उसमें सिर्फ किताबें निकलीं। अब मेल भेजने वाले व्यक्ति की पहचान के लिए साइबर एक्सपर्ट्स उसकी आईपी एड्रेस ट्रेस कर रहे हैं,

कोर्ट का पूर्व सरपंच-तीन सरकारी अफसरों के खिलाफ केस दर्ज करने का आदेश, शौचालय-बाथरूम तोड़ने का आरोप

मेहसाणा,एजेंसी।

गुजरात की एक अदालत ने शनिवार को मेहसाणा जिले में तालुका विकास अधिकारी, पूर्व सरपंच और दो अन्य के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करने का आदेश दिया। इन सभी पर एक व्यक्ति के घर के शौचालय और बाथरूम को गैरकानूनी तरीके से ध्वस्त करने का आरोप है।

आरोपियों ने ब्राह्मणवाड़ा गांव में यह दावा करते हुए शौचालय और बाथरूम को तुड़वा दिए थे कि शिकायतकर्ता बाबूभाई चौधरी ने यह निर्माण पंचायत की जमीन पर किया था। चाणस्मा में न्यायिक मजिस्ट्रेट (प्रथम श्रेणी) उमरखान पठान ने पाया कि इन चार व्यक्तियों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने के लिए पर्याप्त आधार हैं। इसके बाद

उन्होंने आपराधिक जांच की अनुमति दी।

बाबूलाल चौधरी ने निर्माण को अवैध तरीके से ध्वस्त करने के लिए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए अदालत का रुख किया था और कहा था कि इससे उन्हें वित्तीय नुकसान हुआ है। उन्होंने पर सत्ता के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया था। निर्माण को बिना नोटिस के फरवरी 2023 में ध्वस्त किया गया था। इससे संबंधित मामला गुजरात उच्च न्यायालय में लंबित था।

अदालत ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत एक औपचारिक कार्रवाई की अनुमति दी और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत एक लोकसेवक द्वारा शक्ति के दुरुपयोग, आपराधिक अतिक्रमण और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के संबंध में मामला दर्ज करने का आदेश दिया। सीआरपीसी की धारा 2024 के तहत एक मजिस्ट्रेट समन या वारंट जारी कर सकता है।

अदालत ने गवाहों की गवाही और दस्तावेजी सबूतों को ध्यान में रखा और ब्राह्मणवाड़ा गांव के पूर्व सरपंच, तलाटी, सर्कल सर्वेक्षण अधिकारी और तत्कालीन तालुका विकास अधिकारी के खइलाफ आदेश जारी किया। कोर्ट ने देखा कि आरोपियों ने यह जानते हुए भी अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर गैरकानूनी तरीके से विध्वंस किया कि मामला उच्च न्यायालय में लंबित था। शिकायतकर्ता का ब्राह्मणवाड़ा ग्राम पंचायत कार्यालय के सामने एक पुराना घर था, जिसे तुड़वाकर उन्होंने शौचालय और बाथरूम के साथ एक नया छोटा सा घर बनाया था। ताकि आरोपी तक पहुंचा जा सके। तेलुगु भाषा में था मेल, स्टाफ ने किया ट्रांसलेट धमकी भरा मेल तेलुगु भाषा में लिखा गया था। स्कूल स्टाफ में मौजूद एक व्यक्ति को तेलुगु भाषा आती थी, उसने मेल को ट्रांसलेट कर इसकी जानकारी अन्य स्टाफ को दी। इसके बाद तुरंत स्कूल खाली कराया गया। उस समय वहां करीब 50 लोग मौजूद थे। स्कूल की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। गुजरात की अदालत ने एक व्यक्ति के शौचालय और बाथरूम को अवैध तरीके से तोड़ने के आरोप में पूर्व सरपंच और तीन सरकारी अधिकारियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का आदेश दिया है।

अमेठी में गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

राष्ट्र संवाद संवाददाता

अमेठी।जिले के रामगंज पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया।वांछित को गिरफ्तार कर पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई की।

पुलिस के मुताबिक एसपी के निर्देशन में अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना रामगंज के एसआई जंगबहादुर यादव व उनकी टीम चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर उ.प्र. गिरोहबंद समाज विरोधी क्रियाकलाप निवारण अधिनियम थाना रामगंज में वांछित अभियुक्त सचिन अग्रहरि निवासी कुरेभार थाना कुरेभार सुलतानपुर को रतापुर मोड़ खाकी बाबा आश्रम के पास से समय करीब साढ़े दस बजे दिन में गिरफ्तार किया गया।वांछित को गिरफ्तार कर पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की।